महामना को कोटि-कोटि प्रणाम

विनम्रता की प्रतिमूर्ति, अमरोहा में जनकल्याण और शैक्षिक क्रांति के स्वप्नदृष्टा
महाविद्यालय के यशस्वी संस्थापक

स्वनाम धन्य साहू जगदीश सरन जी

अवतरण : 10 अक्टूबर 1898 ❖ निर्वाण : 01 जनवरी 1976

इनसे धन्य समाज है, धन्य, वंश, कुल, धाम।
साहू श्री जगदीश को कोटि-कोटि प्रणाम॥

॥ संक्षिप्त जीवन चक्र ॥

- 10 अक्टूबर 1898 को श्री लाला रामप्रसाद जी, निवासी-अमरोहा के घर जन्म।
- 1915 में पूज्य ताऊ 'श्री' कन्हैया लाल जी के द्वारा गोद लिया जाना।
- 1917 में प्रथम तथा 1927 में द्वितीय विवाह।
- 1929-30 में तीर्थ यात्रा/परिभ्रमण।
- 1930 में अखिल भारतीय कांग्रेस, मुरादाबाद के अधिवेशन में स्वागत समिति के सदस्य मनोनीत।
- 1931 में कन्या के पिता बने, 1933 में कन्या की मृत्यु।
- 1940 में पुनः तीर्थ यात्रा एवम् परिभ्रमण।
- 1943 में गोद लेने वाली माँ श्रीमती गंगा देवी का स्वर्गवास।
- 1944 में नेपाल की यात्रा।
- 1959 में भयंकर रूप से रोग ग्रस्त व मिशन अस्पताल बरेली में भर्ती।
- 14 जुलाई सन् 1960 को परम पावन बेला में जगदीश सरन हिन्दू स्नातकोत्तर महाविद्यालय की स्थापना।
- 1975 (सितम्बर) में भयंकर रूप से व्याधिग्रस्त।
- 01 जनवरी सन् 1976 को पंचतत्त्व में विलीन।

॥ सम्यक योगदान पर एक दृष्टि ॥

❖ **संस्थापक :**
जे.एस.हिन्दू डिग्री कालेज, अमरोहा
जे.एस.हिन्दू इण्टर कालेज, अमरोहा
(टी.जी.सी.हिन्दू स्कूल का उच्चीकरण)

❖ **भूमिदान :**
राजकीय कन्या विद्यालय, अमरोहा।

❖ **विशेष सहयोग :**
शर्मा देवी कन्या विद्यालय, अमरोहा

❖ **सहायता :**
ऋषिकुल, हरिद्वार तथा गुरुकुल कांगड़ी, हरिद्वार सहित विभिन्न संस्थाओं को आर्थिक सहयोग।

❖ **भूमि व भवन दान :**
मुन्नी देवी महिला चिकित्सालय।

❖ **सतत् सहयोग :**
अग्रवाल धर्मशाला, अमरोहा
वासुदेव पार्क, अमरोहा
वंशीधर ट्रस्ट, अमरोहा

॥ दानशीलता का विनम्र उद्घोष ॥

अपने जीवन काल में विभिन्न धार्मिक, सामाजिक व शैक्षिक संस्थाओं को लगभग **10,00,000/-** (दस लाख रुपये) की चल व अचल सम्पत्ति दान स्वरूप भेंट की।

महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति

पदाधिकारीगण

1.	**श्री रमेश कुमार अग्रवाल**	संरक्षक	4.	**श्री योगेश कुमार जैन**	मंत्री
2.	**श्री संजय मालीवाल**	अध्यक्ष	5.	**श्री मुन्नालाल गुप्ता**	उपमंत्री
3.	**श्री लीलाधर अरोड़ा**	उपाध्यक्ष	6.	**श्री उमेश कुमार गुप्ता**	कोषाध्यक्ष

निर्वाचित व आजीवन सदस्यगण

निर्वाचित सदस्यगण

1. श्री अनिल कुमार रस्तौगी
2. श्री दीपक माहेश्वरी
3. श्री दिवेश चन्द्र बाहेती
4. श्री अर्जुन खण्डेलवाल
5. श्री योगेश चन्द्र कौशल
6. श्री सिद्धार्थ अग्रवाल
7. श्री विवेक अग्रवाल
8. श्री राजनाथ गोयल
9. श्री रानू कालड़ा
10. श्री शरद जैन
11. श्री संजय जैन

आजीवन सदस्यगण

1. श्री पृथ्वीराज अरोड़ा
2. श्री गिरीश चन्द्र अग्रवाल
3. श्री विष्णु स्वरूप माहेश्वरी
4. एस.डी.एम.अमरोहा (पदेन)
   चेयरमैन, वंशीधर ट्रस्ट, अमरोहा
5. श्री राजीव कुमार गुप्ता
6. चेयरमैन, को-आपरेटिव केन
   मार्केटिंग यूनियन, अमरोहा (पदेन)
7. श्री स0 सुरेन्द्र सिंह
8. श्री जयगोपाल माहेश्वरी
9. श्री सुनील कुमार अग्रवाल
10. श्री मुनीश पाल सरन भालवर
11. श्री आशीष कुमार
12. श्री अजय कुमार अग्रवाल
13. अध्यक्ष, श्रीराम सेवा ट्रस्ट, अमरोहा (पंजी.)
14. श्रीमती निशा अग्रवाल
15. श्री शंकर अग्रवाल
16. श्री सुधीर कुमार शारदा
17. श्री अवधेश चन्द्र गोयल
18. श्री कपिल आर्य
19. श्री रमेश चन्द्र गोयल
20. श्री संजय टण्डन
21. डॉ. आर. के. गुप्ता
22. श्री विनय माहेश्वरी
23. श्री ब्रज नारायण अग्रवाल
24. श्री आलोक अग्रवाल
25. श्री अरुण माहेश्वरी
26. श्री राजेन्द्र कुमार जैन, एडवोकेट
27. श्री विनय प्रकाश आर्य
28. श्री मानस गुप्ता
29. श्री धर्म खुराना
30. श्री राजीव गुप्ता
31. श्री अनिल सिंघल
32. श्री कैलाश अग्रवाल
33. श्री सुरेश विरमानी
34. श्री राज कुमार भार्गव
35. श्री सुरेश रस्तौगी
36. डॉ. अनुराग गोयल
37. श्री सुरेन्द्र प्रकाश
38. श्री योगेन्द्र मोहन गुप्ता
39. श्री विवेक मोहन, एडवोकेट
40. श्री अनिल टण्डन
41. श्री ज्ञानेन्द्र कुमार
    उर्फ कमल कुमार अग्रवाल
42. श्री अमरनाथ गुप्ता
43. श्रीमती जागृति अग्रवाल

(नोट : इस सूची में शिक्षक व कार्यालय प्रतिनिधि सम्मिलित नहीं हैं।)

हमारे प्रेरणा स्रोत

प्रबन्ध समिति का गठन - 05-05-2024

प्रबन्ध समिति के वर्तमान पदाधिकारी जिनके मार्गदर्शन में महाविद्यालय निरन्तर विकासशील है ।

श्री रमेश कुमार अग्रवाल
संरक्षक

श्री संजय मालीवाल
अध्यक्ष

श्री लीलाधर अरोड़ा
उपाध्यक्ष

श्री योगेश कुमार जैन
मंत्री

श्री मुन्नालाल गुप्ता
उपमंत्री

श्री उमेश कुमार गुप्ता
कोषाध्यक्ष

प्राचार्य का सन्देश

प्रिय छात्र-छात्राओं,
सम्मानित नगर व क्षेत्रवासियों।

जगदीश सरन हिंदू स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अमरोहा के नवीन शैक्षिक सत्र-2022-23 में आपका हार्दिक स्वागत है। मुझे प्रसन्नता है कि हमारी प्रबंध समिति के कुशल निर्देशन में इस महाविद्यालय द्वारा बौद्धिक संपदा शैक्षिक पर्यावरण के संरक्षण, संवर्द्धन व व्यवस्थापन के लिए निरन्तर प्रयत्न व पुरुषार्थ किया जाता है, जिसमें सुयोग्य शिक्षक साथियों एवं शिक्षणेत्तर सहयोगियों का सदैव सक्रिय एवं सृजनात्मक सहयोग रहता है। मैं, महाविद्यालय की प्रबंध समिति तथा शैक्षणिक परिवार के सभी घटकों का नये सत्र में हार्दिक अभिनन्दन करता हूँ।

वस्तुत: शिक्षा आजीवन चलने वाली एक सतत प्रक्रिया है, जो जनमानस में नवचेतना का संचार करती है। यह सुखद है कि 29 जुलाई 2020 को भारत सरकार द्वारा नई शिक्षा नीति-2020 की उद्घोषणा की गई और सत्र 2021-22 में इसे लागू कर दिया गया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के द्वारा शिक्षा जगत में क्रांतिकारी परिवर्तन होंगे। मातृभाषा, क्षेत्रीय भाषा व राष्ट्र भाषा के माध्यम से पठन-पाठन के कारण भारतीय भाषाओं के संरक्षण व संवर्द्धन का मार्ग प्रशस्त होगा, स्नातक स्तर पर वर्षानुक्रम में सर्टिफिकेट, डिप्लोमा व डिग्री की व्यवस्था होगी, व 'भारत उच्च शिक्षा परिषद' के सानिध्य में, तकनीक, व्यवसाय, शोध व स्वावलम्बन परक शिक्षा के नित् नूतन आयाम स्थापित होंगे।

वास्तव में शिक्षा से प्रगति के मार्ग प्रशस्त होते हैं। शिक्षा के द्वारा ही सद्जीवन मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर किया जा सकता है। शिक्षा मानवोत्थान की दिशा में एक समग्र प्रयास है। शिक्षा से संस्कार, संस्कृति व सभ्यता का अभ्युदय व विकास होता है। स्वनामधन्य, युगचेता, श्रद्धेय साहू जगदीश सरन जी ने सन् 1960 में इस महाविद्यालय की स्थापना की थी। प्रसन्नता की बात है कि आज यह महाविद्यालय अपने विविध संकायों व विभागों के विस्तार के साथ एक वटवृक्ष के रूप में विद्यमान है। प्रबंधतंत्र के अथक प्रयासों से पुराने परिसर के अतिरिक्त कैलसा रोड पर लगभग 50 बीघा का एक नवीन परिसर भी है, जहां विशेष रूप से श्रीराम विज्ञान संकाय संचालित है। प्राचार्य के रूप में कार्यभार ग्रहण करने के पश्चात महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता दिलाने हेतु पूर्णतया निशुल्क कोचिंग सेंटर जगदीश सरन हिंदू स्टडी सेंटर प्रारंभ किया गया है। जिसमें कोचिंग और अध्यापन हेतु महाविद्यालय के शिक्षक साथियों का भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है। ज्ञात हो इस महाविद्यालय के सभी संकायों में पीएच0डी0 से अलंकृत अनुभवी प्राध्यापक हैं, जो विद्यार्थियों में अंतर्निहित प्रतिभा का विकास करने में सक्षम हैं।

"महाविद्यालय का लक्ष्य छात्र/छात्राओं, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को एक ऐसा अनुकूल वातावरण प्रदान करता है जिसमें सभी अपनी क्षमता के अनुरूप दैनिक जीवन में उत्कृष्टता प्राप्त करें। साथ ही हमारा उद्देश्य राष्ट्र की युवा शक्ति को वह दिशा और सामर्थ्य प्रदान करना है जिससे वह भविष्य में भय, शोषण, असमानता, अन्याय, भ्रष्टाचार और गरीबी से मुक्त तथा सर्वरूपेण समृद्ध भारत का निर्माण कर सकें। इस हेतु महाविद्यालय में युवा खेल महोत्सव 12-16 जनवरी 2024 एवं सांस्कृतिक समारोह सप्ताह के रूप में आयोजित किए गए।"

महाविद्यालय में एक समृद्ध व विशाल पुस्तकालय है, जिसमें प्रचुर मात्रा में विभिन्न संकायों से संबद्ध व NEP-2020 पर आधारित उच्चकोटि के ज्ञानवर्धक ग्रन्थ व पुस्तकें उपलब्ध हैं। साथ ही यहां इन्टरनेट व वाई-फाई की सुविधा भी उपलब्ध है। कला, वाणिज्य व विज्ञान में स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के साथ ही विभिन्न रोजगारपरक पाठ्यक्रमों जैसे- टी.टी.एम., बी.कॉम. (ऑनर्स), बी.बी.ए., बी.सी.ए., बी.एस.सी. (बायोटैक), बी.एस.सी. (गृहविज्ञान), एम.एस.डब्ल्यू., मास कम्यूनिकेशन तथा टी.टी.एम. में पी.जी. डिप्लोमा आदि जैसे विशिष्ट पाठ्यक्रमों में प्रवेश की व्यवस्था है तथा महाविद्यालय में इग्नू (IGNOU) का केन्द्र भी स्थापित है। महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं के बौद्धिक व शारीरिक, नैतिक तथा चारित्रिक क्षमताओं के उन्नयन हेतु प्रतिवर्ष राष्ट्रीय संगोष्ठियों का आयोजन किया जाता है, जिनमें देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों से पधारे मूर्धन्य विद्वानों का मार्गदर्शन मिलता है। साथ ही, विद्यार्थियों में अंतर्निहित प्रतिभा को उजागर करने व उनमें व्यक्तित्व कला को विकसित करने के उद्देश्य से नियमित रूप से विभागीय संगोष्ठियों का भी आयोजन किया जाता है। इसी प्रकार सांस्कृतिक कार्यक्रमों, खेलकूद प्रतियोगिताओं तथा रोवर्स रेन्जर्स, एन.सी.सी. जैसी गतिविधियों के माध्यम से छात्र-छात्राओं में अनुशासन की भावना, रचनात्मक, सृजनशीलता व सामाजिक सरोकार का विकास होता है। शैक्षिक गुणवत्ता को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए शीघ्र ही 'NAAC' का मूल्यांकन भी प्रस्तावित है।

महाविद्यालय में संगठन और सुव्यवस्था को निरंतर बनाए रखने के लिए अनुशासन मण्डल, एण्टीरोमियो स्क्वायड, एण्टीरैगिंग प्रकोष्ठ और गुणवत्तापूर्ण और समृद्धशाली अनुसंधान कार्यों के लिए शोध सलाहकार समिति एक कार्यशाला का आयोजन भी किया जिसमें विभिन्न विषयों में पीएचडी हेतु शोधरत् विद्यार्थियों के लिए विद्वान मनीषियों के लैक्चर संयोजित किए गए। विदित हो यह आयोजन IQAC और NAAC एवं RAC के संयुक्त तत्वाधान में किया गया। व स्वच्छता, हरियाली व पर्यावरण संरक्षण और संचालन के लिए महाविद्यालय में परिसर सौंदर्यकरण समिति और स्वच्छता समिति क्रियाशील है। मिशन शक्ति और महिला सशक्तिकरण के वर्तमान युग में छात्र-छात्राओं के मान सम्मान का विशेष ध्यान रखा जाता है। अभद्रता और उत्पीड़न को रोकने के लिए महिला उत्पीड़न विरोधी प्रकोष्ठ की भी समुचित व्यवस्था है। महाविद्यालय में ग्रामीण व निर्धन विद्यार्थियों को आर्थिक व पुस्तकीय सहायता दी जाती है। अनुसूचित जाति व अन्य विभिन्न संवर्गों के छात्र-छात्राओं को शासकीय प्रावधानों के अन्तर्गत विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध हैं।

आज महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं देश के विभिन्न अंचलों में प्राध्यापक, चिकित्सक, इंजीनियर, अधिवक्ता, न्यायाधीश तथा प्रशासनिक अधिकारी जैसे विभिन्न दायित्वों का सफलता पूर्वक निर्वहन कर रहे हैं।

आशा कि हम पूर्ण निष्ठा व समर्पण से इस दिशा में निरन्तर आगे बढ़ते रहेंगे व कुछ नया करने के लिए दृढ़ संकल्पित होंगे। इसी आशा, विश्वास व प्रतिबद्धता के साथ हार्दिक शुभकामनाएं।

आपका शुभाकांक्षी

V. V. Singh

डॉ. वीर वीरेन्द्र सिंह
प्राचार्य

चरैवेति चरैवेति

महात्मा ज्योतिबा फुले
रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली

M.J.P. Rohilkhand University, Bareilly

Message

Education can transform human life more powerfully than anything else. Since ages, India had the privilege to create knowledge society; Takshshila, Nalanda and Vikramshila Universities being the best testimony of Indian knowledge tradition. As the Vice-Chancellor of MJP Rohilkhand University, Bareilly, I deem it to be my first and foremost responsibility to create conducive environment in the University campus to generate and transmit the knowledge and fulfil the motto of "Charaiveti, Charaiveti". Whether you are a student , an alumni, a faculty member or non-teaching staff, a citizen of Uttar Pradesh or India, or just a browser, Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University (MJPRU) belongs to you . MJPRU Bareilly is a conglomeration of University departments and affiliated colleges spread in the region of Rohilkhand, which covers nine districts namely, Bareilly, Moradabad, Sambhal, Rampur, Bijnore, Amroha, Budaun, Pilibhit and Shahjahanpur, which lies on the upper Ganges alluvial plain and is bounded by the Ganges Doab to the South and West, Uttarakhand to the North, Nepal to the East, and the Awadh region to the southeast. Thus area wise this is one of the largest University in Uttar Pradesh. Forty-five years' commitment to excellence, encompassing around 548 colleges and institutions, has earned us a place among the nation's one of the most accomplished and respected University. Some of our affiliated colleges possess more than 150 years of legacy of academic excellence.

I believe that every Institution is known by the quality of the students that it produces and I take it as mission to build the human capital by transforming the lives of more than 1,75,000 new alumni and over 5,00,000 students total every year who enroll for various Undergraduate and Post- Graduate programmes in the University and its affiliated colleges. Through imparting quality education to these students I want them to shine as innovative, diverse, globally engaged citizens and future leaders – enriching our ethical values, cultural heritage and outshine others by creating prosperity and serving the public good in myriad ways following the spirit of "Vasudhaiva Kutumbakam".

Mahatma Jyotiba Phule Rohilkhand University is doing the utmost to instill a "deep-rooted pride" among students for being Indian not only in thought, but also in spirit, intellect, and deeds, as well as to develop knowledge, skills, values, and dispositions that support responsible commitment to human rights, sustainable development and global well-being, which ultimately lead in making "India a global knowledge superpower".

MJPRU system is entering into the phase of implementation and execution of National Education Policy 2020 (NEP 2020) and we have to ensure that every student must enjoy a safe and stimulating learning environment, availing a wide range of learning experiences and good physical infrastructure. Our goal will be not only to attain these qualities but also to strengthen, integrate and coordinate across institutions and industries within the country and abroad. This approach will bring MJPRU to reach for new levels of excellence in teaching- learning, research, extension, innovation, entrepreneurship, and societal impact. We add value – every day – to the state of Uttar Pradesh and we plan to make MJPRU the model for public higher education Institution in the 21st century.

As you know, MJPRU administration has adopted a proactive approach by switching over to online teaching or alternative delivery mechanisms and by reducing large gatherings of students during admissions, examination and evaluation to maintain the physical distancing, that our scientific experts say, is the key to slowing the outbreak of COVID 19 pandemic. At MJPRU, your success is important to us and we are pleased to have the chance to help you attain your academic, professional and personal goals.

Sincerely,
(Prof. K. P. Singh)

हमारे महान पूर्वजों का योगदान

14 जुलाई, 1960 में अमरोहा क्षेत्र के कर्मवीर, महादानी, स्वर्गीय जगदीश सरन जी ने अपनी समस्त अचल सम्पत्ति व नकद धनराशि अर्पित करके नगर के कुछ गणमान्य नागरिकों विशेषकर स्व.रामकुमार वैद्य, स्व.रघुवीर शरण शारदा, स्व.सीताराम एवं स्व.अभिनन्दन कुमार जी जैन के सहयोग से 7 विषयों, 7 प्राध्यापकों व 60 छात्र- छात्राओं के साथ इस अविकसित क्षेत्र में इस महाविद्यालय की शुभ-स्थापना की और देश के सुप्रतिष्ठित आगरा विश्वविद्यालय से इसकी सम्बद्धता प्राप्त की। सन् 1964 में मनोविज्ञान एवं भूगोल विषय आरम्भ किये गये। सन् 1965 में तीन विषयों में स्नातकोत्तर अध्ययन (अर्थशास्त्र, राजनीतिशास्त्र एवं अंग्रेजी) की अनुमति मिलने पर यह 'स्नातकोत्तर महाविद्यालय' हो गया। सन् 1972-74 में संस्कृत, उर्दू, शिक्षाशास्त्र विषयों में स्नातक कक्षाएं एवं स्व.अभिनन्दन कुमार जैन के अथक प्रयास से हिन्दी में स्नातकोत्तर कक्षाऐं प्रारम्भ होने के साथ महाविद्यालय की प्रगति के इतिहास का दूसरा चरण प्रारम्भ हुआ। 1975 में यह महाविद्यालय रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय, बरेली से सम्बद्ध हुआ। तत्कालीन प्रबन्ध समिति के मंत्री स्व.डॉ.कृष्ण केशव गोयल एवं प्रधान श्री वीरेन्द्र आर्य, शहर के संभ्रान्त नागरिकों तथा महाविद्यालय परिवार के प्रयासों से सन् 1981 में महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर वाणिज्य-संकाय का शुभारम्भ हुआ तथा सन् 1984 में भूगोल विषय में स्नातकोत्तर कक्षायें प्रारम्भ हुईं।

सन् 1983-1992 की अवधि में स्व.राधाकृष्ण टण्डन (अध्यक्ष), श्री रमेश कुमार अग्रवाल (मंत्री), स्व. धीरेन्द्र नाथ गुप्ता (मंत्री) के नेतृत्व में महाविद्यालय ने चँहुमुखी प्रगति की। वर्ष 1986-87 के दौरान यू.जी.सी. के सहयोग से महाविद्यालय में 4 नवीन कक्षों एवं भूगोल व मनोविज्ञान प्रयोगशालाओं का निर्माण कराया गया। सन् 1987 में प्रशासनिक ब्लॉक की ऊपरी मंजिल तथा विवेकानन्द ब्लॉक का निर्माण एक महान उपलब्धि थी। सितम्बर 1992 से प्रबन्ध समिति के प्रधान के रूप में नेतृत्व संभाला स्व.अभिनन्दन कुमार जैन ने और मंत्री पद का दायित्व वहन किया श्री सुधीर कुमार शारदा ने। प्रबन्धतंत्र के कुशल नेतृत्व में सम्पूर्ण महाविद्यालय परिवार एक बार फिर सर्वांगीण विकास के लिए तन-मन-धन से जुट गया। परिणामस्वरूप 1995-96 में समाजशास्त्र और वाणिज्य विषयों में स्नातकोत्तर अध्ययन- अध्यापन प्रारम्भ हो गया। श्रीयुत श्रीराम गुप्ता (सेवानिवृत्त कार्यालयाध्यक्ष) के दस लाख रुपये के दान एवं नगरवासियों के भरपूर सहयोग से महाविद्यालय में श्रीराम विज्ञान संकाय की स्थापना हुई, जिसमें 6 विषयों में बी.एस-सी. का शिक्षण सत्र 1996-97 से प्रारम्भ हुआ। निश्चय ही महाविद्यालय के गौरवशाली इतिहास में यह उपलब्धि एक महत्वपूर्ण अध्याय की शुरूआत थी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के सहयोग से व्यवसायिक शाखा के अन्तर्गत जुलाई 1998 से पर्यटन एवं यात्रा प्रबन्धन (T.T.M.) तथा जुलाई 2001 से विज्ञापन एवं विक्रय संवर्धन (ASPSM) प्रारम्भ किया गया। जनवरी 1999 में महाविद्यालय के इतिहास में उस समय महत्त्वपूर्ण नया अध्याय जुड़ा जब नगर के सम्मानित नागरिक माननीय स्व.अभिनन्दन कुमार जैन के संरक्षकत्व में महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति का नेतृत्व संभाला एवं डॉ.हरिओम अग्रवाल अध्यक्ष एवं श्री रमेश कुमार अग्रवाल मंत्री बने।

जुलाई 2000 से महाविद्यालय में एम.ए.मनोविज्ञान की कक्षाएं प्रारम्भ की गईं। श्री सुनील कुमार अग्रवाल की पूज्य माताजी द्वारा अपने पति स्व.सुदर्शन दयाल अग्रवाल जी की स्मृति में महाविद्यालय को एक लाख रुपये का दान महाविद्यालय के भव्य **सुदर्शन-सभागार** के लिए दिया गया।

सत्र 2001-2002 में 4 विशाल व्याख्यान कक्षों के अतिरिक्त एक भव्य कृपा ज्योति व्यायामशाला का निर्माण कराया गया। कृपा-ज्योति व्यायामशाला के निर्माण के लिए तत्कालीन मंत्री प्रबंध समिति, श्री रमेश कुमार अग्रवाल एवं उनके परिवारजनों ने एक लाख रुपये की धनराशि दान दी। 2001-02 में स्नातक विषयों में रक्षा अध्ययन, संगीत व गृहविज्ञान की कक्षाएँ प्रारम्भ की गई। महाविद्यालय की प्रगति में एक महत्वपूर्ण सोपान के रूप में जनवरी 2001 में कैलसा रोड पर 42 बीघा भूमि क्रय की गई एवं एम.एस-सी. (भौतिक एवं रसायन विज्ञान) का शुभारम्भ हुआ। 3 मार्च 2002 को प्रबन्ध समिति के निर्वाचित अध्यक्ष श्री सुमत कुमार जैन व मंत्री श्री जय गोपाल माहेश्वरी अपनी टीम के साथ महाविद्यालय के भरपूर विकास हेतु तन-मन-धन से जुट गये। वर्ष 2003-04 में बी.एड. संकाय का शुभारम्भ हुआ और प्रथम वर्ष में ही शासन से स्थायी सम्बद्धता प्राप्त हो गई। दसवीं पंचवर्षीय योजना के अन्तर्गत महाविद्यालय विकास कार्यक्रमों के लिए 6.5 लाख रुपये की राशि विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली से प्राप्त हुई। कैलसा रोड स्थित 42 बीघा भूमि पर स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों के लिए एक विशाल महत्वाकांक्षी योजना के अधीन एक तीन मंजिले भव्य भवन का निर्माण कार्य सम्पन्न किया गया। नये परिसर में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के 25 लाख रुपये के अनुदान से एक विशाल महिला छात्रावास का निर्माण कार्य पूर्ण किया गया, जिसका उद्घाटन 12 फरवरी 2006 को उच्च शिक्षा निदेशक माननीय डॉ. आर.के. बंसल द्वारा किया गया। नये परिसर में नई व्यायामशाला और खेलकूद का विशेष प्रबन्ध है।

24 अप्रैल 2005 को प्रबन्ध समिति के श्री सुमत कुमार जैन (अध्यक्ष), श्री जयगोपाल माहेश्वरी (मंत्री), श्री हरीश कुमार अरोड़ा (कोषाध्यक्ष) ने फिर एक बार महाविद्यालय के चहुँमुखी विकास का चुनौतीपूर्ण बीड़ा उठाया। जे. एस. हिन्दू कॉलिज के निरन्तर बौद्धिक विकास हेतु लगभग 5 बीघे से अधिक भूमि क्रय की जा चुकी है और एम. एस-सी. गणित एवं एम.ए. इतिहास की सम्बद्धता हेतु शासन स्तर से भरसक प्रयासों के परिणामस्वरूप वर्ष 2011-12 में एम.ए. इतिहास एवं एम.एस-सी. गणित की कक्षायें प्रारम्भ करने की अनुमति शासन एवं विश्वविद्यालय से प्राप्त हो गयी है। वर्ष 2011-12 में बी.सी.ए. कक्षाएं प्रारम्भ की गई हैं। कैलसा रोड स्थित परिसर में पिछड़ा वर्ग कल्याण मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 35 लाख रुपयों की लागत से एक दो मंजिले महिला छात्रवास का निर्माण कराया गया है। वर्तमान समय के इस परिवर्तित वातावरण में भी परीक्षाओं में शुचिता, सर्वोच्च उत्कृष्टता, शैक्षिक स्तर एवं पूर्ण पारदर्शिता बनाये रखने की दिशा में महाविद्यालय परिवार दृढ़ संकल्प है। 20 जनवरी 2008 को सम्पन्न हुए चुनावों में निर्वाचित प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्री रमेश कुमार अग्रवाल और मंत्री श्री चेतन कुमार गुप्ता तथा उनके सहयोगियों ने महाविद्यालय के विकास में अपना योगदान दिया। 27 फरवरी 2011 को सम्पन्न हुए चुनावों के माध्यम से श्री विजय शंकर अग्रवाल अध्यक्ष तथा श्री सुमत कुमार जैन मंत्री निर्वाचित हुए, जिनके अनुभवी नेतृत्व में महाविद्यालय ने नए कीर्तिमान स्थापित किये। एवं महाविद्यालय के आजाद रोड परिसर में 5 नवीन भव्य कक्षों का निर्माण कार्य पूरा किया गया है। 6 जुलाई, 2014 को सम्पन्न चुनावों में श्री जय गोपाल माहेश्वरी अध्यक्ष तथा श्री सुमत कुमार जैन मंत्री निर्वाचित हुए 30 अप्रैल 2017 को सम्पन्न चुनाव में श्री रमेश कुमार अग्रवाल, अध्यक्ष तथा श्री गिरीश चन्द्र अग्रवाल, मंत्री एवं श्री हरीश कुमार अरोडा, कोषाध्यक्ष निर्वाचित हुए। इन्हीं के प्रयासों से एम.एस.डब्ल्यू. एवं एम.एस-सी. वनस्पति विज्ञान बी.कॉम. आनर्स एवं बी.एस.सी. होम साइंस की स्थायी मान्यता प्राप्त हो चुकी है एवं एम.ए. शिक्षाशास्त्र एवं एम.ए., उर्दू की कक्षाएं प्रारम्भ हो सकीं।

महाविद्यालय के बढ़ते कदम

05 मई 2024 को सम्पन्न हुए प्रबन्ध समिति के चुनाव में नवीन कार्यकारिणी का गठन हुआ। जिसमें शामिल पदाधिकारी हैं श्री रमेश कुमार अग्रवाल-संरक्षक, श्री संजय मालीवाल-अध्यक्ष, श्री लीलाधर अरोड़ा-उपाध्यक्ष, श्री योगेश कुमार जैन-मंत्री, श्री मुन्नालाल गुप्ता-उपमंत्री, श्री उमेश कुमार गुप्ता-कोषाध्यक्ष।

वर्तमान प्रबन्ध समिति का यह मानना है कि अपूर्णताओं से भरे संसार में पूर्णता का पर्याय मानसिक दक्षता है और इस दक्षता का सीधा सम्बन्ध शिक्षा से है। शिक्षा से असाधारण उत्कृष्टता, सभ्यता तथा उन्नति के शिखर प्राप्त किये जा सकते हैं। ऐसे ही मानवीय विचारों को स्वयं में संजोये यह महाविद्यालय आपकी सेवा में तत्पर है।

''एक अच्छी शैक्षणिक संस्था वह है जिसमें प्रत्येक विद्यार्थी का स्वागत किया जाता है और उसकी देखभाल की जाती है, जहाँ एक सुरक्षित और प्रेरणादायक शिक्षण वातावरण मौजूद होता है, जहाँ सभी विद्यार्थियों को सीखने के लिए विविध प्रकार के अनुभव उपलब्ध कराए जाते हैं और जहाँ सीखने के लिए अच्छे बुनियादी ढांचे और उपयुक्त संसाधन उपलब्ध हैं। ये सब हासिल करना प्रत्येक शिक्षा संस्थान का लक्ष्य होना चाहिए। तथापि, साथ ही विभिन्न संस्थानों के बीच और शिक्षा के हर स्तर पर परस्पर सहज जुड़ाव और समन्वय आवश्यक है।''

योगेश कुमार जैन
मंत्री, प्रबंध समिति

''शैक्षिक प्रणाली का उद्देश्य अच्छे इंसानों का विकास करना है जो तर्कसंगत विचार और कार्य करने में सक्षम हो, जिसमें करुणा और सहानुभूति, साहस और लचीलापन, वैज्ञानिक चिंतन और रचनात्मक कल्पनाशक्ति, नैतिक मूल्य और आधार हों। राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य ऐसे उत्पादक लोगों को तैयार करना है जोकि अपने संविधान द्वारा परिकल्पित समावेशी, और बहुलतावादी समाज के निर्माण में बेहतर तरीके से योगदान करें।''

डॉ. वीर वीरेंद्र सिंह
प्राचार्य

प्रबंध समिति और प्राचार्य जी के संयुक्त प्रयास से महाविद्यालय ने अल्पकालिक समय में अभूतपूर्व प्रगति की है। जहां एक ओर महाविद्यालय को बेहतर तरीके से सुसज्जित और व्यवस्थित करने का प्रयास किया गया, वहीं अकादमिक, शैक्षणिक, सांस्कृतिक, सामाजिक क्षमताओं को विकसित करने हेतु यथेष्ट उपक्रम किए गए, साथ ही दूसरी ओर खेलकूद, शारीरिक और योग के द्वारा विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास को भी प्राथमिकता में रखा गया।

विगत सत्र में महाविद्यालय के विशिष्ट उल्लेखनीय कार्य निम्नवत है :

1. महाविद्यालय की प्रतिष्ठा अनुसार तीन मुख्य द्वार का निर्माण।
2. समृद्धशाली आयोजनों हेतु अभिनंदन जैन सभागार का विस्तारीकरण, नवीनीकरण, सौंदर्यकरण व फर्नीचर की समुचित व्यवस्था।
3. विशिष्ट अतिथि कक्ष का नवीनीकरण व सौंदर्यकरण।
4. सुदर्शन सभागार का सौंदर्यकरण व फर्नीचर की समुचित व्यवस्था।
5. नकल विहीन व शुचिता पूर्ण परीक्षा हेतु परीक्षा कक्ष कैमरों से सुसज्जित।
6. समुचित शिक्षण और विद्यार्थियों के बैठने के लिए फर्नीचर की व्यवस्था।
7. रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम की व्यवस्था।
8. महाविद्यालय परिसर (आजाद रोड स्थित) के पृष्ठ भाग में अनावश्यक और हानिकारक आवागमन को रोकने के

लिए विशालतम दीवार का निर्माण।

9. 'भारतीय अंतरिक्ष सप्ताह' (11–18 अगस्त 2023) का भूगोल विभाग द्वारा आयोजन।
10. 'जनपद स्तरीय संस्कृत प्रतिभा खोज प्रतियोगिता' (04 सितंबर 2023) का संस्कृत विभाग द्वारा आयोजन।
11. महाविद्यालय द्वारा 'शिक्षक दिवस' का आयोजन। (5 सितंबर 2023)
12. 'हिंदी दिवस' पर 'हिंदी भाषा जन-जन की अभिलाषा' (14 सितंबर 2023) कार्यक्रम का हिंदी विभाग द्वारा आयोजन।
13. 'ओजोन दिवस' (16 सितंबर 2023) का भूगोल विभाग और टीटीएम विभाग द्वारा आयोजन।
14. 'अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस' (21 सितंबर 2023) का आयोजन।
15. 'राष्ट्रीय सेवा योजना दिवस' का (24 सितंबर 2023) को आयोजन।
16. गांधी जयंती का समारोह पूर्वक आयोजन।
17. 'ऑनलाइन शैक्षिक संसाधनों पर एक दिवसीय कार्यशाला' का (04 अक्टूबर 2023) को आइक्यूएसी द्वारा आयोजन।
18. 'संस्थापक दिवस समारोह' का आयोजन (10 अक्टूबर 2023)
19. 'विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस' (10 अक्टूबर 2023) का विज्ञान संकाय द्वारा आयोजन।
20. 'International day for disaster reduction' का 13 October 2023 को भूगोल विभाग द्वारा आयोजन।
21. विश्वविद्यालय स्तरीय 'अंतर्महाविद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता' का 14 अक्टूबर 2023 को आयोजन।
22. 'Departmental seminar on 'Literature and environment' का 15 October 2023 को अंग्रेजी विभाग द्वारा आयोजन।
23. 'विश्व एकता दिवस' का (31 अक्टूबर 2023) को राष्ट्रीय सेवा योजना और सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजन।
24. 'यातायात माह' (01 नवंबर से 30 नवंबर तक) का राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा आयोजन।
25. 'ICSSR Sponsored National seminar on "Indigenous Knowledge System: A Leading Way to Sustainability" का (05–06 November 2023) को समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजन।
26. 'गुरु नानक जयंती' (08 नवंबर 2023) का आयोजन।
27. 'विश्वविद्यालय स्तरीय अंतर्महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता' (18 नवंबर 2023) का सफल आयोजन।
29. 'संविधान दिवस' का 26 नवंबर 2023 को राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा आयोजन।
30. विश्व एड्स दिवस -01 दिसंबर 2023 का विज्ञान संकाय द्वारा आयोजन।
31. विश्व मानवाधिकार दिवस 10 दिसंबर 2023 का राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा आयोजन।
32. आयुर्वेद पर एक दिवसीय सेमिनार का आयोजन 13 दिसंबर 2023
33. अंतरिक्ष सप्ताह 22 दिसंबर 2023 भूगोल विभाग द्वारा आयोजित।
34. विश्व हिंदी दिवस 10 जनवरी 2024 हिंदी विभाग द्वारा आयोजित।
35. राष्ट्रीय युवा दिवस 12 जनवरी 2024 सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित।
36. गणतंत्र दिवस समारोह 26 जनवरी 2024 को आयोजित।
37. खेल सप्ताह 12 से 16 फरवरी 2024 को आयोजित।

38. रक्तदान शिविर 16 फरवरी 2024 को आयोजित।
39. महर्षि दयानंद सरस्वती जयंती समारोह 15 फरवरी 2024 आयोजित।
40. युवा महोत्सव 26 फरवरी से 2 मार्च के मध्य सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित।
41. 'राष्ट्रीय सुरक्षा की वर्तमान स्थिति और प्रमुख चुनौतियां' विषय पर 9 मार्च 2024 को रक्षा अध्ययन विभाग द्वारा संगोष्ठी आयोजित।
42. पर्यावरणीय अवनयन : चुनौतियां एवं समाधान 14 मार्च 2024 को भूगोल विभाग द्वारा आयोजित संगोष्ठी।
43. ''भारतीय दर्शन की वर्तमान शिक्षा में प्रासंगिकता'' विषय पर 15 मार्च 2024 को शिक्षा शास्त्र विभाग द्वारा संगोष्ठी का आयोजन।
44. 'वर्तमान परिवेश में युवाओं पर सामाजिक नियंत्रण का प्रभाव' विषय पर समाजशास्त्र विभाग द्वारा संगोष्ठी का आयोजन (18 मार्च 2024)
45. गांधी युग और जन आंदोलन विषय पर इतिहास विभाग द्वारा संगोष्ठी का आयोजन (18 मार्च 2024)
46. "Social welfare in digital age" विषय पर बीसीए विभाग द्वारा संगोष्ठी का आयोजन (18 मार्च 2024)
47. 'गालिब की शायरी की असरी मान्यता' विषय पर उर्दू विभाग द्वारा संगोष्ठी का आयोजन (18 मार्च 2024)
48. 'लोकतंत्र, मुद्दे, चुनौतियां, समस्या, समाधान विषय पर राजनीति शास्त्र विभाग द्वारा संगोष्ठी का आयोजन (21 मार्च 2024)
49. World forest day पर विज्ञान संकाय द्वारा संगोष्ठी का आयोजन (21 मार्च 2024)
50. 'गृह विज्ञान का महत्व एवं अन्य विषयों से इसका संबंध' विषय पर गृह विज्ञान विभाग द्वारा संगोष्ठी का आयोजन (22 मार्च 2024)
51. 'महावीर जयंती समारोह' सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित (04 अप्रैल 2024)
52. विश्व स्वास्थ्य दिवस पर विज्ञान संकाय द्वारा संगोष्ठी का आयोजन (07 अप्रैल 2024)
53. अंबेडकर जयंती समारोह (14 अप्रैल 2024) को आयोजित।
54. "Python and Space Science" विषय पर भूगोल विभाग द्वारा संगोष्ठी का आयोजन (19 अप्रैल 2024)
55. "Civil Services day" का सिविल अधिकारियों के साथ स्तरीय आयोजन (21 अप्रैल 2024)
56. "Awareness Drive on Fire Extinguisher" का आयोजन (24 अप्रैल 2024)
57. विश्व श्रमिक दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन 01 में 2024
58. बुद्ध पूर्णिमा समारोह सांस्कृतिक समिति द्वारा आयोजित 05 में 2024
59. "National Workshop on Research Methodology in Social Sciences and Humanities" IQAC एवं RAC के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित 06 से 11 मई 2024 तक।

आइये पुनः हम-आप सब महाविद्यालय का विकास व शैक्षिक वातावरण बनाये रखने के गुरुतर कार्य में तन-मन-धन से जुट जयें

महाविद्यालय का प्राध्यापक वर्ग

महाविद्यालय में विभिन्न विषयों के सुयोग्य एवं प्रतिभाशाली 48 स्थाई और 40 अस्थाई अध्यापक कार्यरत हैं। अभी 11 स्थाई अध्यापकों के पद अभी रिक्त हैं और उनके शीघ्र आने की संभावना है। **प्राचार्य प्रो. (डॉ.) वीर वीरेंद्र सिंह** सहित अधिकांश प्राध्यापक पी-एच.डी. की उपाधि से अलंकृत हैं। प्राचार्य जी सहित **प्रो. संजय शाही, प्रो. अनिल रायपुरिया, प्रो. बीना रुस्तगी, श्री निखिल कुमार दास, प्रो. मनन कौशल, डॉ. हरेंद्र कुमार, डॉ. बबलू सिंह, डॉ. नवनीत कुमार विश्नोई, डॉ. मनमोहन सिंह, डॉ. मौहम्मद तारिक, डॉ. राजनलाल, डॉ. अनुराग पांडे** अपने-अपने विषयों की उच्च कोटि की पुस्तकों के लेखक हैं एवं आज भी लेखन कार्य में व्यस्त हैं। उपर्युक्त सभी के साथ ही लगभग सभी प्राध्यापकों के लेख देश की अनेक पत्र-पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं।

॥ शोध निर्देशन ॥

महाविद्यालय के **प्राचार्य प्रोफेसर वीर वीरेंद्र सिंह** के निर्देशन में वर्तमान में तीन शोधार्थी शोध कार्य करने में संलग्न हैं। आपके अतिरिक्त **प्रोफेसर अनिल रायपुरिया** (वाणिज्य विभाग), **प्रोफेसर बीना रुस्तगी, डॉ. बबलू सिंह, डॉ. सविता, डॉ. विशेष कुमार राय, डॉ. ऋतुराज यादव** (हिंदी विभाग), **प्रोफेसर मनन कौशल, डॉ. गौरव सिंह** (अर्थशास्त्र विभाग), **डॉ. हरेंद्र कुमार, डॉ. अनुराग कुमार पाण्डेय, डॉ. जितेंद्र कुमार** (समाजशास्त्र विभाग), **डॉ. मनमोहन सिंह, डॉ. रश्मि गुप्ता** (राजनीति शास्त्र विभाग), **डॉ. अरविंद कुमार** (संस्कृत विभाग), **डॉ. मोहम्मद तारिक व डॉ. राजन लाल** (अंग्रेजी विभाग), **डॉ. आभा सिंह** (शिक्षा शास्त्र विभाग), **डॉ. संगीता धामा, डॉ. विजय यादव** (भूगोल विभाग), **डॉ. सचिन कुमार** (मनोविज्ञान विभाग) शोध निर्देशन का कार्य कर रहे हैं।

शोध कार्य हेतु यूजीसी से विभिन्न विषयों के छात्र-छात्राओं को महाविद्यालय में छात्रवृत्ति प्रदान की गई है।

शोध पत्रिका (Research Journal)

"जे.एस.एच. जर्नल ऑफ सोशल साइंसेज एण्ड ह्यूमैनिटीज़" प्रारम्भ हो गया है। यह एक ओपन एक्सेस, डबल-ब्लाइंड पीयर-रिव्यू/रेफरीड मल्टीडिसिप्लिनरी द्विभाषी (हिन्दी और अंग्रेजी) जर्नल है। जो मानसून संस्करण 2022 (भाग-1 अंक-1) के लिए उत्कृष्ट, अप्रकाशित तथा मौलिक आलेख/शोध/समीक्षा/अध्ययन आलेख व शोध पत्र आमंत्रित कर रहा है। आलेख को इलैक्ट्रॉनिक रूप से ई-मेल के माध्यम से संपादक को प्रेषित किया जा सकता है अथवा ऑनलाइन अपलोड किया जा सकता है। सभी आलेखों को एम.एस. वर्ड प्रारूप में ही तैयार कर प्रेषित करें।

विशेष : यह अत्यन्त हर्ष का विषय है कि जे.एस. हिन्दू (पी.जी.) कॉलेज को SWAYAM NPTEL के Local Chapter का दर्जा प्राप्त हो चुका है। SWAYAM कोर्सेज से संबंधित जानकारी हेतु डॉ. अनुराग पाण्डेय, असिस्टेन्ट प्रोफेसर, समाजशास्त्र विभाग से सम्पर्क करें।

॥ पुस्तकालय ॥

महाविद्यालय के पुस्तकालय में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर आधारित सभी विषयों की उच्च कोटि की पुस्तकें उपलब्ध हैं। पुस्तकालय पूर्णतया वाईफाई युक्त है। लाइब्रेरी ऑनलाइन ऑटोमेशन के लिए यूजीसी से स्वीकृत सॉफ्टवेयर क्रय किया गया है और वह वर्तमान में क्रियाशील है। विभिन्न विषयों के Journals भी उपलब्ध हैं। पुस्तकालय में वाचनालय की सुविधा भी उपलब्ध है जिसमें प्रमुख दैनिक समाचार पत्र पत्रिकाएं और प्रतियोगी पत्रिकाएं विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध हैं जिन्हें वे अपना परिचय पत्र देकर वही पढ़ने हेतु प्राप्त कर सकते हैं। महाविद्यालय में कैरियर काउंसलिंग की भी व्यवस्था है। इस हेतु उत्कृष्ट प्रतियोगी पुस्तकें एवं मैगजीन पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। महाविद्यालय के कैलसा रोड परिसर के विज्ञान पुस्तकालय में विज्ञान विषयों की पुस्तकें राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आधारित पाठ्यक्रम सहित पर्याप्त मात्र में उपलब्ध हैं।

॥ बुक-बैंक ॥

महाविद्यालय में बुक-बैंक की सुविधा है जिसमें योग्य, निर्धन तथा अनुसूचित जाति के विद्यार्थियों को पूरे वर्ष के लिए पुस्तकें उपलब्ध करायी जाती हैं। प्रवेश के उपरान्त छात्र/छात्रायें निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन पुस्तकालयाध्यक्ष को दे सकते हैं। चयनित छात्र/छात्राओं के नाम सूचना पट पर लगा दिये जाते हैं जो 100 रुपये जमानत शुल्क जमा करके पुस्तकें प्राप्त कर सकते हैं, जिनमें से 20 रुपये प्रतिवर्ष बुक-बैंक के विकास हेतु काट लिये जाते हैं। वर्ष के अन्त में अथवा सूचना पर पुस्तकें वापस लौटानी पड़ती हैं। पुस्तक वापस ना कर पाने की स्थिति में पुस्तक का मूल्य जमा करना होता है। आवेदन की तिथि सूचना-पट पर घोषित की जाती है।

चेतना

सम्पादक मण्डल

डॉ. बबलू सिंह (मुख्य सम्पादक)

सदस्य	**सदस्य**
डॉ. अरविन्द कुमार	**डॉ. सविता**
डॉ. राजनलाल	**डॉ. विशेष कुमार राय**
श्री नागेन्द्र प्रसाद मौर्य	**सुश्री गीतांजलि**
डॉ. सईदुल हसन	

महाविद्यालय के विद्यार्थियों में सृजनात्मक, समीक्षात्मक, भावात्मक, विवेचनात्मक तथा आलोचनात्मक लेखन गुण पैदा करने के लिए एक उच्च कोटि की पत्रिका चेतना प्रत्येक वर्ष प्रकाशित की जाती है। पत्रिका में अपने मौलिक लेख देने के इच्छुक विद्यार्थी एवं सदस्य सम्पादक मण्डल से सम्पर्क करें।

एन.सी.सी.

लेफ्टिनेंट मोहित कुमार (प्रभारी)

महाविद्यालय में छात्र/छात्रा दोनों इकाईयों का प्रावधान है। एन.सी.सी. में प्रवेश के इच्छुक छात्र/छात्राएं निर्धारित प्रपत्र प्रारूप पर आवेदन कर सम्बन्धित प्रभारियों से सम्पर्क कर सकते हैं। एन.सी.सी. में प्रवेश केवल स्नातक प्रथम वर्ष में प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों को ही मिलेगा। महाविद्यालय की एन.सी.सी. की छात्राओं ने जनपद में 33 UP BN NCC द्वारा आयोजित DRILL COMPITION में गत वर्ष प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

राष्ट्रीय सेवा योजना

डॉ. सविता (प्रभारी, छात्रा इकाई)

डॉ. पीयूष कुमार शर्मा (प्रभारी, छात्र इकाई)

महाविद्यालय में छात्र व छात्राओं के लिए राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) की व्यवस्था भी है, जिसका कार्य राष्ट्र निर्माण में छात्र-छात्रओं का योगदान देना है। राष्ट्रीय सेवा योजना में केवल स्नातक स्तर के छात्र-छात्राएं ही प्रवेश पा सकते हैं। प्रवेश हेतु निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन कर छात्र-छात्रायें योजना अधिकारी डॉ. पीयूष कुमार (इतिहास विभाग) व डॉ. सविता (हिन्दी विभाग) से सम्पर्क करें। वर्ष में सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन निकटवर्ती किसी गाँव में किया जाता है जिसमें छात्र/छात्राएँ रात-दिन यहाँ रहकर कार्य करते हैं। इस प्रमाण-पत्र के आधार पर बी.एड., एल.एल.बी. एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं आदि में प्रवेश में प्राथमिकता मिल सकता है। राज्य स्तर की प्रतियोगी परीक्षाओं में भी यह उपयोगी है।

रोबर्स रेंजर्स

डॉ. नीरज त्यागी (प्रभारी, छात्रा इकाई)

डॉ. उमेश कुमार (प्रभारी, छात्र इकाई)

महाविद्यालय में उत्तर प्रदेश भारत स्काउट और गाइड द्वारा निर्देशित रोवर्स/ रेंजर्स इकाई की भी व्यवस्था है। रोवर्स/ रेंजर्स शिक्षण और प्रशिक्षण के द्वारा छात्राओं में राष्ट्र सेवा, राष्ट्रप्रेम, राष्ट्रभक्ति की भावना व चेतना को जागृत करने का प्रयास किया जाता है। साथ ही रोवर्स शिक्षण प्रशिक्षण छात्रों को अभावों, खतरों, में जीने के साथ साथ चरित्र निर्माण, सामाजिक समरसता, चिकित्सा व्यवस्था, बौद्धिक क्षमताओं का विकास, शारीरिक क्षमताओं व साधनों का प्रतिकूल परिस्थितियों में प्रयोग की क्षमता में विकास की प्रेरणा देता है। रोवर्स रेंजर्स में भी प्रवेश स्नातक प्रथम वर्ष के आधार पर ही दिया जाता है। इच्छुक छात्र-छात्राएं निर्धारित प्रपत्र पर आवेदन करने हेतु इकाई प्रभारी डॉ. नीरज त्यागी, अंग्रेजी विभाग और डॉ. उमेश कुमार, भूगोल विभाग से सम्पर्क कर सकते हैं। रेलवे और सैनिक भर्ती परीक्षाओं में भी यह उपयोगी है।

रेलवे कन्सेशन

डॉ. प्रदीप कुमार (समन्वयक)

श्री सुरेन्द्र पाल सिंह (कार्यालय सहायक)

जो छात्र-छात्राएँ निकटवर्ती क्षेत्रों से रेल द्वारा प्रतिदिन कॉलिज आते हैं उन्हें आवेदन करने पर त्रैमासिक रेलवे कन्सेशन सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अतिरिक्त विद्यार्थियों को कॉलिज अवकाश के दिनों में अपने घर (स्थाई पते पर) जाने के लिए मी कन्सेशन टिकट को सुविधा प्राप्त होती है। इस सन्दर्भ में छात्र-छात्राएँ डॉ. संजय शाही से सम्पर्क कर श्री सुरेन्द्र पाल सिंह (कार्यालय सहायक) में फार्म प्राप्त करें।

खेलकूद, व्यायाम एवं चिकित्सा व्यवस्था

खेल	प्रभारी	विभाग
1. प्रभारी	प्रो. अनिल रायपुरिया	गेम्स
2. सह प्रभारी	डॉ. गौरव सिंह	गेम्स
3. एथलेटिक्स	श्री संदीप कुमार	गेम्स
4. कबड्डी (पुरुष)	डॉ. जावेद	हिन्दी
5. कबड्डी (महिला)	डॉ. संगीता धामा	भूगोल
6. खो-खो (महिला)	डॉ. संगीता धामा	भूगोल
7. बैडमिन्टन (पुरुष)	श्री देवेन्द्र कुमार	भूगोल
8. बैडमिन्टन (महिल)	डॉ. गीतांजलि	इंग्लिश
9. क्रिकेट	डॉ. मनोज कुमार	भूगोल
	डॉ. नीरज कुमार	इंग्लिश
10. वॉलीबाल	श्री संदीप चौधरी	गेम्स
11. बास्केटबाल	श्री योगेन्द्र कुमार	शारीरिक शिक्षा
12. शतरंज	श्री नरेन्द्र शर्मा	भूगोल
13. योग (पुरुष)	श्री संदीप चौधरी	गेम्स
14. योग (महिला)	श्री नरेन्द्र शर्मा	भूगोल
15. फुटबाल	श्री संदीप चौधरी	गेम्स
16. टेबल टेनिस	डॉ. सचिन कुमार	मनोविज्ञान
17. कुश्ती	श्री नागेंद्र प्रसाद मौर्या	इंग्लिश
18. हैंडबाल	श्री संदीप कुमार	गेम्स

खेलकूद और व्यायाम विद्यार्थी जीवन में आदित्य महत्व रखते हैं। यह मानसिक, शारीरिक और सामाजिक विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। इनसे विद्यार्थियों में नेतृत्व, आज्ञा पालन, समान लक्ष्य के लिए मिलकर काम करना, खेल की भावना, साहस, सहनशीलता जैसे आवश्यक सद्गुणों का विकास होता है। साथ ही शरीर की अच्छी कसरत भी हो जाती है। उपर्युक्त गुणों से सम्पन्न, स्वस्थ शरीर के विद्यार्थी ही सकारात्मक रूप से सोचने, संघर्ष करने और जीतने की क्षमता जैसे गुणों को धारण करते हैं। आगे चलकर ऐसे विद्यार्थी ही देश के योग्य नागरिक बन सकते हैं।

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के सम्यक शारीरिक एवं मानसिक विकास हेतु पर्याप्त सुविधाएं विद्यमान है। सर्वमान्य धरना भी है कि 'एक स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है।' विद्यार्थियों में खेल भावना की प्रेरणा, चेतना, उद्भव, विकास और संवर्धन के लिए महाविद्यालय में इंडोर गेम्स और आउटडोर गेम्स एवं जिम की समुचित व्यवस्थाएं उपलब्ध हैं। खेलों की समुचित व्यवस्था हेतु क्रिकेट में श्री मनोज सिंह एवं श्री नीरज कुमार, बैडमिंटन में डॉ. देवेंद्र कुमार एवं डॉ0 गीतांजलि....., को प्रभारी नियुक्त किया गया है। प्राचार्य जी के इस सुव्यस्थित प्रयास से महाविद्यालय के एथलीट्स ने 48वीं अंतर महाविद्यालय एथलेटिक्स टूर्नामेंट में 4 स्वर्ण पदक छह रजत पदक और तीन कांस्य पदक सहित कुल 13 पदक प्राप्त किये। महाविद्यालय की महिला एथलेटिक्स टीम चौंपियनशिप ट्रॉफी जीतने में सफल रही। महाविद्यालय की होनहार और यशस्वी छात्रा हिमांशी चौधरी एथलेटिक्स टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी का खिताब पाने में सफल रही। इस प्रतियोगिता में पुरस्कार विजेता खिलाड़ियों के नाम इस प्रकार हैं :

1- हिमांशी चौधरी- लंबी कूद- स्वर्ण पदक

2- हिमांशी चौधरी- ट्रिपल जंप- स्वर्ण पदक

3- महिला रिले रेस चार * 100 स्वर्ण पदक
4- हरेंद्र - हैमर थ्रो - स्वर्ण पदक
5- तनीषा चौधरी- जैवलिन थ्रो- रजत पदक
6- महिला -रिले रेस 4 * 400 - रजत पदक
7- हर्डल रेस - 400 मी - रजत पदक
8- अर्पित चौधरी- लंबी कूद- रजत पदक
9- नितिन डिस्कस- थ्रो - रजत पदक
10- कार्तिक चौधरी -जैवलिन थ्रो- रजत पदक
11-पुरुष -रिले रेस 100 * 400- कांस्य पदक
12- कार्तिक चौधरी- गोला फेक- कांस्य पदक
13- गुरजीत -हैमर थ्रो- कांस्य पदक

बरेली में युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विभाग दल विभाग के तत्वाधान में उत्तर प्रदेश ग्रामीण खेल लीग के अंतर्गत आयोजित हुई बैडमिंटन एकल प्रतियोगिता के सीनियर वर्ग में बीए द्वितीय वर्ष की छात्रा पारस चौधरी ने प्रथम स्थान जबकि जूनियर वर्ग में बीए द्वितीय वर्ष की ही छात्र लक्ष्मी ने जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया।

महाविद्यालय की समृद्धशाली खेल परंपरा को देखते हुए विश्वविद्यालय द्वारा समय-समय पर अंतर्महाविद्यालय खेलकूद आयोजनों की जिम्मेदारी पूर्व से ही महाविद्यालय को मिलती रही है। गत वर्ष विश्वविद्यालय स्तरीय अंतर महाविद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का 14 अक्टूबर 2023 को वह अंतर्महाविद्यालय महिला कबड्डी प्रतियोगिता का 18 नवंबर 2023 को महाविद्यालय द्वारा सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। विद्यार्थियों की खेलों में रुचि के प्रोत्साहन और उन्नयन के लिए दिनांक 12 से 16 फरवरी 2024 के मध्य 'युवा खेल सप्ताह' का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 400 से अधिक छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर, आयोजन को गरिमा प्रदान की। पूर्व से ही महाविद्यालय में क्रिकेट, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, वॉलीबॉल, शतरंज, बॉल बैडमिंटन, कुश्ती, कबड्डी, खो-खो, एथलेटिक्स, फुटबॉल और हॉकी आदि खेलों का आयोजन होता रहा है। क्रिकेट की लोकप्रियता को देखते हुए एक बेहतरीन और स्थाई 'क्रिकेट पिच' का भी निर्माण किया गया है। विद्यार्थियों को खेलकूद के लिए प्रोत्साहित किया जाता है एवं विश्वविद्यालय, राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने का अवसर दिया जाता है इसी के फलस्वरूप महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं विश्वविद्यालय अंतर महाविद्यालय राज्य स्तरीय और राष्ट्रीय स्तरीय खेलों में अपनी चमक बिखेर चुके हैं। विभिन्न खेलों में संलग्न इच्छुक छात्र-छात्राएं अपनी रुचि और सुविधा अनुसार टीम प्रभारियों से संपर्क कर अपनी खेल क्षमता और योग्यता का उन्नयन कर सकते हैं। विदित हो प्राचार्य जी द्वारा नियुक्त सभी टीम प्रभारी बड़ी ही निष्ठा, मनोयोग और तत्परता से महाविद्यालय में खेलों की गति प्रगति के लिए अपने दायित्वों का निर्वाह कर रहे हैं।

'कृपा ज्योति' व्यायामशाला आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है। महाविद्यालय में व्यायाम और योग आदि गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए समय-समय पर उत्कृष्ट आयोजन किए जाते हैं। स्वस्थ शारीरिक विकास और जिम आदि गतिविधियों को बढ़ाने के लिए महाविद्यालय में योग्य और विशेषज्ञ प्रशिक्षक नियुक्त हैं। प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा के पत्र पत्रांक संख्या-62470-1/2014 दिनांक-17/ 06/ 2014 को उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अध्ययनरत सभी छात्राओं को मिशन शक्ति और महिला सशक्तिकरण मिशन के अंतर्गत शारीरिक शिक्षण जैसे मार्शल आर्ट आदि का प्रशिक्षण समय-समय पर प्रदान किया जाता है। अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के लिए समय-समय पर आयोजन किए जाते हैं। महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं को आवश्यकता पड़ने पर चिकित्सा सुविधा भी उपलब्ध है।

जन-सूचना एवं सम्पर्क विभाग

जनसूचना अधिकार के अन्तर्गत माँगी जाने वाली सूचनायें महाविद्यालय द्वारा नियुक्त जन सूचना अधिकारी से प्राप्त की जा सकती है।

डॉ. प्रदीप कुमार (जन सूचना अधिकारी)
डॉ. रश्मि गुप्ता (जन सूचना अधिकारी)

इंग्लिश लैंग्वेज लैब

श्री हिमांशु शर्मा (समन्वयक)

महाविद्यालय में अंग्रेजी के ज्ञानवर्द्धन, सम्भाषण व विकास हेतु एक **'इंग्लिश लैंग्वेज लैब'** भी स्थापित है। इस संदर्भ में **डॉ. हिमांशु शर्मा** से सम्पर्क किया जा सकता है।

छात्रवृत्तियाँ

आवेदन पत्र के साथ ही जाति प्रमाण-पत्र और आय-प्रमाण पत्र तथा हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की अंकतालिका कार्यालय में जमा किया जाना अनिवार्य है। छात्र-छात्राएं अपना खाता किसी भी स्थानीय बैंक शाखा में खुलवाएं। छात्रवृत्ति का धन विद्यार्थियों के खातों में सीधे शासन द्वारा जमा कराया जाता है खाते में जमा न होने की दशा में छात्र-छात्राये महाविद्यालय में कर सीधे समाज कल्याण विभाग से सम्पर्क करें। **छात्रवृत्ति फार्म भरते समय आधार कार्ड का नं० अनिवार्य है। आधार कार्ड उपलब्ध न होने की दशा में शासन में छात्रवृत्ति प्राप्त नहीं होगी। जिन विद्यार्थियों का आधार कार्ड नहीं है। यह शीघ्र अपना आधार कार्ड बनवायें, आधार कार्ड के बिना छात्रवृत्ति फार्म स्वीकार नहीं किया जायेगा।**

डॉ. मनन कौशल नोडल प्रभारी (छात्रवृत्ति)

A. अनुसूचित जाति एवं जनजाति छात्रवृत्ति -

(कक्ष संख्या-37 Sociology Department में)

प्रभारी- 1. डॉ. हरेन्द्र कुमार
सदस्य- 2. डॉ. अनुराग कुमार पाण्डेय
3. डॉ. जितेन्द्र कुमार
4. श्री ज्ञानेश वर्मा
5. श्री सत्य प्रकाश परमार
6. श्री जितेन्द्र कुमार (इतिहास)
7. डॉ. पूनम वर्मा
8. डॉ. सीमा सिंह
9. श्रीमती प्रियंका शर्मा
कार्यालय- श्री विजय प्रकाश

B. सामान्य जाति छात्रवृत्ति-

(कक्ष संख्या-54 English Department में)

प्रभारी- 1. डॉ. हिमांशु शर्मा
सदस्य- 2. डॉ. मोहम्मद तारिक
3. डॉ. राजन लाल
4. श्री नागेन्द्र प्रसाद मौर्य
5. सुश्री गीतांजलि
6. डॉ. नीरज त्यागी
7. श्री नीरज कुमार
8. सुश्री सबीना लकी
कार्यालय- श्रीमती सीमा सिंह

C. पिछड़ा वर्ग

(कक्ष संख्या-104 Hindi Department में)

प्रभारी- 1. डॉ. बबलू सिंह
सदस्य- 2. श्री मुकेश सिंह
सदस्य- 3. डॉ. सविता
4. डॉ. विशेष कुमार राय
5. श्री रणदीप सिंह
6. श्री ऋतुराज यादव
7. डॉ. विजय यादव
8. श्री मोहम्मद जावेद
9. श्री राजीव कुमार
10. श्री अरविन्द कुमार यादव
कार्यालय- श्री नरेंद्र गोयल

D. अल्पसंख्यक एवं अन्य समस्त छात्रवृत्तियां

(कक्ष संख्या-125 Urdu Department में)

प्रभारी- 1. डॉ. मोहम्मद मूसा
सदस्य- 2. डॉ. बीना शर्मा
3. डॉ. विकास मोहन श्रीवास्तव
4. डॉ. शाज़िया बेगम
5. डॉ. सईदुल हसन
6. श्री सलमान अख्तर
कार्यालय- श्री शरद गुप्ता

नोट- १. छात्रवृत्ति हेतु छात्र-छात्राएं संबंधित कक्ष संख्या में संपर्क करें।
२. समस्त मुस्लिम छात्र/छात्राएं अल्पसंख्यक वर्ग के अन्तर्गत ही अनुमान्य हैं।

महाविद्यालय में विद्यार्थियों को दिये जाने वाले पुरस्कार प्रोत्साहन

1. **श्री देवी जैन बॉटनी रजत मैडल - स्थापित द्वारा डॉ. एस. के. जैन।**
जिस विद्यार्थी ने बी.एस-सी. I, II एवं III में वनस्पति विज्ञान में अधिकतम अंक प्राप्त किये हो, यह पुरस्कार, उस विद्यार्थी को दिया जाता है।
2. **स्व. अभिनन्दन कुमार जैन स्मृति छात्रवृत्ति - स्थापित द्वारा श्रीमती विमला जैन।**
यह छात्रवृत्ति उस विद्यार्थी को मिलती है जिसने स्नातक स्तर पर महाविद्यालय में सर्वोच्च अंक प्राप्त किये हो।
3. **विशेष :** महाविद्यालय में अध्ययनरत या महाविद्यालय में नवीन प्रवेश लेने वाले छात्र/छात्राएं जो कि खेलकूद, गायन एवं वादन, भाषण प्रतियोगिता एवं कला के अन्य किसी क्षेत्र में अपना विशेष स्थान रखते हो या वास्तव में गरीब है उन्हें महाविद्यालय पठन-पाठन हेतु विशेष सहायता प्रदान करेगा।

अनुशासक मण्डल

डॉ. नवनीत कुमार विश्नोई (मुख्य अनुशासक)

अनुशासक		अनुशासक	
डॉ. प्रदीप कुमार	- सदस्य	डॉ. ऋतुराज यादव	- सदस्य
डॉ. राजकिशोर शुक्ला	- सदस्य	श्री सत्य प्रकाश परमार	- सदस्य
डॉ. देवेन्द्र कुमार	- सदस्य	श्री मोहम्मद जावेद	- सदस्य
सुश्री गीतांजलि	- सदस्य	श्री तीर्थराज सिंह	- सदस्य
डॉ. नीरज त्यागी	- सदस्य	श्री योगेन्द्र सिंह	- सदस्य
डॉ. सविता	- सदस्य	श्री सचिन कुमार	- सदस्य
डॉ. विशेष कुमार राय	- सदस्य	श्री शिवमगन सिंह	- सदस्य

अनुशासन मंडल का संदेश

"प्रिय विद्यार्थियों आप राष्ट्र की शक्ति हो और यह शक्ति तीन स्तंभों पर आधारित है- शिक्षा, चरित्र एवं संस्कृति। भारतवर्ष का भविष्य आप पर निर्भर है। इस भविष्य को सुंदर बनाने में आपको अपना योगदान देना होगा। अपने भीतर आत्मविश्वास पैदा करना होगा। प्रत्येक कार्य ईमानदारी, निष्ठा और सच्चाई से करना होगा। जीवन में अच्छा इंसान बनने के लिए और आगे बढ़ने के लिए स्वयं को सुधारना होगा। अपनी गलतियों को सुधारने से पहले उन गलतियों को स्वीकारना होगा। अपने काम को सदैव योजनाबद्ध तरीके से करना और अपनी दिनचर्या का अनुशासन के साथ पालन करना होगा।" पंजीकृत छात्र/छात्रा के लिए महाविद्यालय द्वारा निर्मित आचार संहिता और अनुशासन संबंधी नियमों का पालन करना अनिवार्य है। अन्यथा अनुपालन नहीं करने पर उनके विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही कर उन्हें महाविद्यालय से निलम्बित या निष्कासित किया जा सकता है।

अनुशासन सम्बन्धी नियम एवं आचरण संहिता

1. विद्यार्थी से मिलने वाले आगन्तुकों को चाहिए कि वे सम्बन्धित विद्यार्थियों से सीधे न मिलकर चीफ प्रॉक्टर से सम्पर्क स्थापित करें।
2. शासन ने कक्षाओं में छात्र/छात्राओं की 75% उपस्थिति अनिवार्य कर दी है। अन्यथा उन्हें विश्वविद्यालय की परिक्षाओं में बैठने से वंचित कर दिया जायेगा।
3. **परिचय पत्र के बिना महाविद्यालय में प्रवेश वर्जित है।** विद्यार्थियों को अपना परिचय-पत्र सदैव अपने साथ रखना चाहिए। परिचय पत्र न होने की दशा अनुशासनात्मक कार्यवाही की जा सकती है।
4. **जिस कक्ष में कक्षा चल रही हो, उसके सम्मुख खड़े होना अनुशासन हीनता है।** बरामदों में अनावश्यक न घूमें प्राचार्य कक्ष के आस-पास चक्कर लगाना, बिना किसी प्रयोजन के प्राचार्य-कक्ष में प्रवेश करना भी पूर्णत: अनुशासनहीनता है। अनावश्यक घूमने की अवस्था में अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।
5. **छात्रों को चाहिए कि वह अपना खाली समय वाचनालय में पत्र-पत्रिकाओं को पढ़कर व्यतीत करें।**
6. **छात्राओं को चाहिए कि वे अपना खाली समय छात्रा कक्ष में पत्र-पत्रिकायें पढ़ कर व्यतीत करें।**
7. महाविद्यालय की दीवारों पर कुछ न लिखें। लिखने वालों को महाविद्यालय से निष्कासित किया जा सकता है।
8- **महाविद्यालय परिसर में धूम्रपान तथा अन्य कोई नशीले पदार्थ का प्रयोग पूर्णतया वर्जित है।**
9. **प्राचार्य एवं चीफ प्रॉक्टर की पूर्व अनुमति के बिना महाविद्यालय परिसर में प्रचारात्मक साहित्य प्रसारित करने वाले के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाती है।**
10. **किसी भी प्रकार का हथियार छात्र/छात्रा द्वारा कॉलिज में लाना वर्जित है। इस नियम को तोड़ने पर कठोर अनुशासनात्मक व कानूनी कार्यवाही की जायेगी।**
11. सरकारी आदेशों के अनुसार कक्षा व परीक्षा में मोबाइल रखना पूर्णतया वर्जित है।
12. अनुशासन में रहकर व्यक्ति महान बनता है। महाविद्यालय में सुचारू रूप कार्य के लिए अनुशासन बनाये रखना आपका कर्त्तव्य है।

विशेष निर्देश :- महाविद्यालय परिसर में समस्त छात्र/छात्राओं को कोविड-19 गाइडलाइन का पालन करना अनिवार्य है।

परिचय-पत्र (IDENTITY CARD)

सभी छात्र/छात्राओं को पूर्ण रूप से भरा हुआ और चीफ प्रॉक्टर एवं अन्य अनुशासक मण्डल में नियुक्त शिक्षकों द्वारा हस्ताक्षरित परिचय-पत्र पहनना अनिवार्य है। परिचय-पत्र खो जाने की अवस्था में दूसरा परिचय-पत्र चीफ प्रॉक्टर की लिखित आज्ञा के उपरान्त ही प्राप्त किया जा सकता है। प्रवेश लेने के १० दिन के अन्दर अपने परिचय पत्र पर चीफ प्रॉक्टर या अनुशासक मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर अवश्य करा लें।

सत्यापन

अपनी अंकतालिका एवं अन्य प्रमाण-पत्रों के सत्यापन के लिए पहले कार्यालय में श्री राहुल अग्रवाल एवं श्री विवेकानन्द से सम्पर्क करें, जहाँ मूल प्रति (Original) से मिलान करने पर ही डॉ. मनन कौशल, डॉ. नवनीत विश्नोई, डॉ. आभा सिंह, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. राजकिशोर शुक्ला, डॉ. रश्मि गुप्ता अपने हस्ताक्षर करेंगे।

(1) Internal Quality Assurance Cell (IQAC)
(आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ)

श्री हिमांशु शर्मा (अंग्रेजी)	समन्वयक	डॉ. सौरभ अग्रवाल (रसायन शास्त्र)	सदस्य
डॉ. अनुराग पाण्डेय (समाजशास्त्र)	सह समन्वयक	श्री मयंक अरोड़ा (बीबीए)	सदस्य
डॉ. मोहम्मद तारिक (अंग्रेजी)	सदस्य	श्री अमित भटनागर (बीसीए)	सदस्य
डॉ. राजनलाल (अंग्रेजी)	सदस्य	श्री राहुल मोहन माहेश्वरी (कार्यालय)	सदस्य
डॉ. नीरज त्यागी	सदस्य	श्री बृज नारायण अग्रवाल	सदस्य (प्र.समिति)
श्री सत्य प्रकाश परमार	सदस्य	श्री अजय चौहान (समाज से)	सदस्य
श्री तीर्थराज सिंह	सदस्य	श्री पुनीत रस्तोगी	सदस्य (तकनीकी सहायक)
श्री सचिन कुमार	सदस्य		

महाविद्यालय में गुणवत्ता सुधार प्रक्रिया को सतत् रूप से चलाये रखने के उद्देश्य से आन्तरिक गुणवत्ता निर्धारण प्रकोष्ठ का गठन किया गया है।

NAAC Steering Committee (नैक संचालन समिति)

श्री अनुराग कुमार पाण्डेय	समन्वयक	श्री मोहित कुमार	सदस्य
श्री हिमांशु शर्मा	सदस्य	श्री जितेन्द्र कुमार	सदस्य
डॉ. मोहम्मद तारिक	सदस्य	डॉ. सौरभ अग्रवाल	सदस्य
सुश्री गीतांजलि	सदस्य	डॉ. मनीष टंडन	सदस्य
डॉ. विजय यादव	सदस्य	श्री राहुल मोहन माहेश्वरी	(कॉलेज कार्यालय)
डॉ. अरविन्द कुमार (भूगोल)	सदस्य	श्री पुनीत रस्तोगी	सदस्य (तकनीकी सहायक)

(2) Examination Cell (परीक्षा प्रकोष्ठ)

डॉ. बबलू सिंह (प्रभारी)

सह प्रभारी	परीक्षा सहायक
डॉ. गौरव सिंह	डॉ. गीतेश कुमार अग्रवाल
श्री मुकेश सिंह	श्री नरेन्द्र गोयल
डॉ. सविता	श्री राहुल मोहन माहेश्वरी
डॉ. जितेन्द्र कुमार	श्री सुरेन्द्र पाल सिंह
डॉ. विजय यादव	श्री शरद गुप्ता
श्री मोहित कुमार	

महाविद्यालय में नकल विहीन एवं शुचितापूर्ण परीक्षा संचालन के लिए परीक्षा प्रकोष्ठ का गठन किया गया है। परीक्षा सम्बन्धी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए प्रकोष्ठ में सम्मिलित सदस्यों से सम्पर्क करें।

फेसबुक	वेबसाइट	यूट्यूब
डॉ. ज्ञानेश कुमार (प्रभारी)	डॉ. अनुराग पाण्डेय (प्रभारी)	डॉ. देवेन्द्र (प्रभारी)
डॉ. अरविन्द यादव (प्रभारी)	डॉ. विजय यादव (सह-प्रभारी)	डॉ. जावेद (प्रभारी)
	डॉ. अरविन्द कुमार (सह-प्रभारी)	

(3) Cultural Program Committee (सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति)

डॉ. अरविन्द कुमार (संस्कृत)	प्रभारी	श्री अरविन्द कुमार (भूगोल)	सदस्य
डॉ. आभा सिंह	सदस्य	डॉ. मोहम्मद मूसा	सदस्य
डॉ. रश्मि गुप्ता	सदस्य	डॉ. बीना शर्मा	सदस्य
डॉ. मोहम्मद तारिक	सदस्य	डॉ. पीयूष कुमार शर्मा	सदस्य
डॉ. विशेष कुमार राय	सदस्य	श्री मयंक अरोड़ा	सदस्य
श्री मोहम्मद जावेद	सदस्य	श्री सलमान अख्तर	सदस्य
श्री राजीव कुमार	सदस्य	डॉ. श्रद्धा शर्मा	सदस्य

जो विद्यार्थी सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लेने के इच्छुक हों वे उपरोक्त सदस्यों से सम्पर्क करें।

(4) ABACUS Committee (अबेकस समिति)

डॉ. गौरव सिंह	-	नोडल अधिकारी
डॉ. मौ. तारिक	-	सदस्य
डॉ. विजय यादव	-	सदस्य
श्री तीर्थराज सिंह	-	सदस्य
श्री अमित भटनागर	-	सदस्य
श्री मयंक अरोड़ा	-	सदस्य

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत महाविद्यालय में ABACUS समिति का गठन किया गया है। जिसकी देखरेख में महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शिक्षकों का डेटाबेस तैयार किया जायेगा। ABACUS स्टेट लेवल का एकेडमिक बैंक है जिसमें शिक्षा सम्बन्धी क्रेडिट जोड़े जाते हैं।

(5) Personal Counselling Cell
(व्यक्तिगत परामर्श सेल)

श्री निखिल कुमार दास (प्रभारी) श्री सचिन कुमार (सदस्य)

छात्र एवं छात्राओं अपनी मनोवैज्ञानिक समस्याओं/परामर्श हेतु मनोविज्ञान विभाग में निशुल्क संपर्क कर सकते हैं।

(6) Grievance and Redressal Cell
(शिकायत और निवारण प्रकोष्ठ)

डॉ. नवनीत कुमार विश्नोई	-	समन्वयक
डॉ. गौरव सिंह	-	सदस्य
डॉ. प्रदीप कुमार	-	सदस्य
डॉ. अरविंद कुमार	-	सदस्य
डॉ. देवेंद्र कुमार	-	सदस्य
डॉ. सविता	-	सदस्य
डॉ. विशेष कुमार राय	-	सदस्य
श्री रणदेव सिंह	-	सदस्य
डॉ. विकास मोहन श्रीवास्तव	-	सदस्य
डॉ. पूजा त्यागी	-	सदस्य

छात्र-छात्राओं व अभिभावकों की समस्या और असुविधा के निराकरण एवं समाधान के लिए यह प्रकोष्ठ कार्यरत है।

(7) Schedule Caste and Tribe Cell
(अनुसूचित जाति और जनजाति प्रकोष्ठ)

प्रो. मनन कौशल	-	प्रभारी
डॉ. बबलू सिंह	-	सदस्य
डॉ. हरेंद्र कुमार	-	सदस्य
डॉ. प्रदीप कुमार	-	सदस्य
डॉ. देवेन्द्र कुमार	-	सदस्य
डॉ. विशेष कुमार राय	-	सदस्य

महाविद्यालय में अध्ययनरत अनुसूचित जाति और जनजाति के छात्र-छात्राओं से संबंधित समस्याओं के निराकरण एवं उनके कल्याण हेतु यह प्रकोष्ठ कार्यरत है।

(8) Anti Harassment Cell
(उत्पीड़न विरोधी प्रकोष्ठ)

डॉ. बीना रुस्तगी	–	प्रभारी
डॉ. रश्मि गुप्ता	–	सदस्य
श्रीमती नीरज त्यागी	–	सदस्य
डॉ. सविता	–	सदस्य
श्री राहुल मोहन माहेश्वरी	–	सेक्रेटेरियल असिस्टेंट

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा शासनादेश संख्या-744/सत्तर-3-2011-1(39)/2001 के संदर्भ में महाविद्यालय में एक महिला उत्पीड़न संबंधी समस्याओं के निराकरण हेतु इस प्रकोष्ठ की स्थापना की गई है। अवांछनीय फोन, आपत्तिजनक/ अपमानजनक टिप्पणी, छेड़खानी आदि पर छात्राएं स्वयं भी 1090 नंबर पर शिकायत कर सकती हैं। मिशन शक्ति के तहत शक्तिपरी यूनिट का भी गठन किया गया है।

(9) Student Welfare Council
(छात्र कल्याण परिषद)

डॉ. राजकिशोर शुक्ला	–	प्रभारी
डॉ. ऋतुराज यादव	–	सदस्य
श्री सत्यप्रकाश परमार	–	सदस्य
श्री मोहित कुमार	–	सदस्य
श्री जितेन्द्र कुमार	–	सदस्य
श्री नीरज कुमार	–	सदस्य

शुल्क मुक्ति एवं विद्यार्थी सहायता कोष से सहायता प्राप्त करने, आवश्यक कार्यवाही एवं लाभ प्राप्त करने के लिए उपरोक्त प्रकोष्ठ के सदस्यों से संपर्क करें।

(10) Career Guidance and Placement Cell
(करियर मार्गदर्शन और प्लेसमेंट प्रकोष्ठ)

श्री निखिल कुमार दास	–	प्रभारी
श्री ज्ञानेश कुमार वर्मा	–	सदस्य
डॉ. पवन गेरा	–	सदस्य
डॉ. राजीव प्रकाश	–	सदस्य
श्री मयंक अरोड़ा	–	सदस्य
डॉ. मनीष टंडन	–	सदस्य
श्री अमित कुमार भटनागर	–	सदस्य

छात्र-छात्राएं अपने करियर एवं प्लेसमेंट संबंधी जिज्ञासाओं और जानकारियों के लिए प्रकोष्ठ से सम्पर्क कर सकते हैं।

(11) Anti Ragging Cell
(उत्पात विरोधी प्रकोष्ठ)

डॉ. नवनीत कुमार विश्नोई	–	चीफ प्रॉक्टर एवं समन्वयक
डॉ. रश्मि गुप्ता	–	सदस्य
डॉ. राजकिशोर शुक्ला	–	सदस्य
सुश्री गीतांजलि	–	सदस्य
डॉ. अनुराग पाण्डेय	–	सदस्य
श्री ऋतुराज यादव	–	सदस्य
श्री सत्यप्रकाश परमार	–	सदस्य
डॉ. पीयूष कुमार शर्मा	–	सदस्य
श्रीमती ज्योति	–	सदस्य

महाविद्यालय में अनुशासन और सुव्यवस्था बनाए रखने के लिए एक उत्पात विरोधी प्रकोष्ठ का गठन प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सहयोगार्थ किया गया है।

(12) Research Advisory Committee
(शोध सलाहकार समिति)

डॉ. हरेन्द्र कुमार	–	संयोजक
डॉ. गौरव सिंह	–	सदस्य
डॉ. अरविन्द कुमार (संस्कृत)	–	सदस्य
डॉ. राजकिशोर शुक्ला	–	सदस्य
डॉ. मौ. तारिक	–	सदस्य
श्री तीर्थराज सिंह	–	सदस्य
श्री सचिन कुमार	–	सदस्य
डॉ. मौ. मूसा	–	सदस्य

महाविद्यालय में अकादमिक उत्थान, विकास और गुणवत्तापूर्ण शोध के यथोचित प्रोत्साहन के लिए एक शोध सलाहकार समिति कार्यरत है, जिसकी सुव्यवस्था व देखभाल प्राचार्य जी के संरक्षण में उपरोक्त समिति द्वारा की जा रही है।

(13) Campus Beautification Committee
(परिसर सौंदर्यकरण समिति)

डॉ. राजकिशोर शुक्ला	–	संयोजक
डॉ. राजनलाल	–	सदस्य
डॉ. नागेन्द्र प्रसाद मौर्य	–	सदस्य
डॉ. जितेन्द्र कुमार	–	सदस्य
डॉ. मंजुला शर्मा	–	सदस्य
डॉ. कपिल भारद्वाज	–	सदस्य
डॉ. राजीव प्रकाश	–	सदस्य

महाविद्यालय के परिसर को साफ-सुथरा, तम्बाकू मुक्त, स्वच्छ और स्वस्थ बनाए रखने के लिए एक परिसर सौंदर्यकरण समिति कार्यरत है। परिसर की सुंदरता बनाए रखने के लिए किसी भी स्तर पर सुझाव या परामर्श देने के लिए उपरोक्त प्रकोष्ठ से सम्पर्क किया जा सकता है।

(14) Green Protocol Committee
(हरित नवाचार समिति)

डॉ. प्रदीप कुमार	–	संयोजक
डॉ. अनुराग पाण्डेय	–	सदस्य
श्री सत्य प्रकाश परमार	–	सदस्य
श्री मयंक अरोड़ा	–	सदस्य
डॉ. मनीष टंडन	–	सदस्य
श्रीमती निधि अग्रवाल	–	सदस्य

महाविद्यालय परिसर को सुंदर, हरा-भरा, आकर्षक और मनमोहक बनाए रखना हमारी पूर्ण जिम्मेदारी है। प्रकोष्ठ को छात्र-छात्राओं से इस संबंध में सहयोग की विशेष अपेक्षा है। वह महाविद्यालय में लगे पेड़-पौधों को कदापि हानि न पहुंचाएं और फूलों को न तोड़ें बल्कि उन्हें सुरक्षित और संरक्षित रखने के लिए सदैव तत्पर रहें।

(15) SKILL/ Vocational Cell (कौशल/व्यवसायिक प्रकोष्ठ)

श्री मयंक अरोड़ा	–	संयोजक
डॉ. मनीष टंडन	–	सह संयोजक
श्री सलमान अख्तर	–	सदस्य
श्री अमित भटनागर	–	सदस्य
श्री गौतम अरोड़ा	–	सदस्य

महाविद्यालय ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP-2020) के अन्तर्गत एक व्यवसायिक कौशल विकास प्रकोष्ठ गठित किया गया है। इससे सम्बन्धित किसी भी जानकारी के लिए प्रकोष्ठ के सदस्यों से सम्पर्क करें।

(16) Computer Data Centre (कम्प्यूटर डाटा सेन्टर)

श्री शरद गुप्ता	-	**प्रभारी**
श्री नईम अहमद	-	**सदस्य**
श्री पुनीत रस्तौगी	-	**सदस्य**
श्री अमित रस्तौगी	-	**सदस्य**
श्री राहुल जैन	-	**सदस्य**
श्री रामगोपाल	-	**सदस्य**

ऑनलाइन कार्य में असुविधाओं के लिए उपरोक्त सदस्यों से सम्पर्क करें।

(17) Computer Lab. (कम्प्यूटर प्रयोगशाला)

श्री अमित कुमार भटनागर	-	**प्रभारी**
श्री गौतम अरोड़ा	-	**सह प्रभारी**

बी.कॉम. तृतीय, बी.ए. द्वितीय (भूगोल), बी.एस-सी. होमसाइंस तथा बी.एस-सी., एम.एस-सी. (रसायनशास्त्र) के विद्यार्थियों के लिए कम्प्यूटर विषय का ज्ञान अनिवार्य है। महाविद्यालय की अपनी वेबसाइट **www.jshpgc.ac.in** है, जिसके माध्यम से सभी सूचनायें प्राप्त की जा सकती हैं।

परिभ्रमण (Tour)

एम.ए. (पूर्वार्द्ध व उत्तरार्द्ध) भूगोल, बी.ए. (अन्तिम वर्ष) भूगोल, बी.एस-सी. (Botany), बी.ए. (T.T.M.), में पर्यटन (Tour) अनिवार्य है। इस हेतु विद्यार्थी सम्बन्धित विभागाध्यक्ष/समन्वयक से सम्पर्क करे। P.G. Diploma in Mass Communication, P.G. Diploma in Tourism & Travel Management (T.T.M.) में भी यह नियम लागू होता है। इस विषय में विद्यार्थी सम्बन्धित अध्यापकों से सम्पर्क करें।

नोट :- प्रतिवर्ष बी.ए. परिभ्रमण पंचम सेमेस्टर एवं एम.ए. तृतीय सेमेस्टर में भौगोलिक प्रतिभ्रमण भूगोल विषय का मुख्य हिस्सा है।

अंकतालिका और डिग्री वितरण विभाग

महाविद्यालय में कुछ वर्षों की डिग्रियाँ विश्वविद्यालय द्वारा उपलब्ध करा दी गई हैं, जिनका वितरण निम्नवत् किया जाता है। विद्यार्थी डिग्री प्राप्त करने हेतु आवश्यक फार्म सम्बन्धित सहायक से प्राप्त कर, सभी सूचनायें फार्म में भरने के उपरान्त प्राचार्य से हस्ताक्षर करा कर डिग्री प्राप्त कर सकते हैं।

वर्ष	सम्पर्क काउन्टर नं. - 04	परीक्षा नियन्त्रण
2002, 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017, 2018, 2019	श्री भोला सिंह श्री अरुण कुमार	**कक्ष- 14**

वाहन स्टैण्ड (Vehicle Stand)

महाविद्यालय में वाहन स्टैण्ड की सुविधा उपलब्ध है। निर्धारित शुल्क देकर वाहन स्टैण्ड पर अपने वाहन सुरक्षित रख सकते हैं। महाविद्यालय गेट के बाहर अथवा महाविद्यालय में अन्य किसी स्थान पर वाहन खड़े करने पर महाविद्यालय का कोई उत्तरदायित्व नहीं होगा।

साहू जगदीश सरन स्टडी सेन्टर

(छात्रों के हित के लिए एक महत्वकांक्षी योजना)

प्रो० वीर वीरेंद्र सिंह	–	प्राचार्य/संरक्षक
श्री ज्ञानेश कुमार वर्मा	–	प्रभारी/कार्यक्रम समन्वयक
डॉ. नवनीत कुमार विश्नोई	–	संयोजक, समीक्षा बैठक
डॉ. अनुराग कुमार पाण्डेय	–	तकनीकी प्रभारी

महाविद्यालय के यशस्वी प्राचार्य प्रो. वीर वीरेन्द्र सिंह जी की एक सार्थक पहल से नवम्बर 2021 के अंत में शैक्षणिक नवाचार एवं छात्र/छात्राओं के शैक्षणिक उन्नयन तथा उनकी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए नि:शुल्क आधार पर इस सेंटर की स्थापना की गई। जिसके सुपरिणाम भी प्राप्त हुए। सेंटर से शिक्षित और दीक्षित निम्न विद्यार्थियों ने डिग्री कालिज शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण की है; जिसमें कुछ उल्लेखनीय नाम निम्नवत हैं –

यूजीसी नेट परीक्षा परिणाम (दिसम्बर 2022-23)

सुनीता रानी	–	समाजशास्त्र (NET)
राहत सुल्ताना	–	समाजशास्त्र (NET)
रूबी वर्मा	–	समाजशास्त्र (NET)
दानिया पठान	–	राजनीतिशास्त्र (JRF)
अहमद शाह खान	–	राजनीतिशास्त्र (NET)
माया	–	समाजशास्त्र (NET)
सचिन कुमार	–	इतिहास (NET)
सत्यवान	–	इतिहास (NET)
तन्वी	–	अर्थशास्त्र (NET)
मोहम्मद शरीफ	–	हिन्दी (NET)
गौरव कुमार गौतम	–	समाजशास्त्र (NET)

महाविद्यालय के प्रवेश-नियम

महाविद्यालय में प्रवेश राष्ट्रीय शिक्षा नीति और महात्मा ज्योतिबा फुले रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली की प्रवेश नियमावली के अनुसार किए जाएंगे।

1. विश्वविद्यालय की प्रवेश नियमावली के अनुसार बी.ए. (प्रथम), बी.एस-सी. (प्रथम), बी.कॉम (प्रथम) तथा स्नातकोत्तर (पूर्वार्द्ध) कक्षाओं के समस्त विषयों में प्रवेश मेरिट आधार पर किये जायेंगे। प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन महाविद्यालय की रजिस्टर्ड साइट पर कराना होगा। जिसकी सुविधा महाविद्यालय में भी उपलब्ध है। एम.एस-सी. (भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान, जन्तु विज्ञान एवं गणित) में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा के माध्यम से किये जायेंगे।
2. प्रत्येक प्रवेशार्थी महाविद्यालय विवरण-पत्रिका (Prospectus) महाविद्यालय से प्राप्त करेगा; तत्पश्चात महाविद्यालय में प्रवेश हेतु कॉलेज विवरण-पत्रिका में उपलब्ध आवेदन पत्र पूर्ण रूप से भरकर एवं समस्त प्रमाण-पत्रों (मूल प्रमाण-पत्रों) सहित कॉलेज में सम्बन्धित (कक्षा और विषयानुसार बनी) प्रवेश समिति के समक्ष उपस्थित होगा। बी.ए./बी.कॉम./बी.एस. सी. प्रथम सेमेस्टर में इच्छुक प्रवेशार्थी को प्रमाण-पत्रों की स्व: हस्ताक्षरित छाया प्रति प्रवेश फार्म के साथ निम्नालिखित क्रमानुसार संलग्न करना आवश्यक है :-
   (क) हाईस्कूल अंक तालिका, (ख) इण्टरमीडिएट अंक तालिका, (ग) चरित्र प्रमाण-पत्र (CC), (घ) स्थानांतरण प्रमाण-पत्र (TC), (ड) जाति प्रमाण-पत्र (सामान्य वर्ग के अतिरिक्त), (च) आय प्रमाण-पत्र, (छ) मूल निवास प्रमाण-पत्र (उ0प्र0 के वे छात्र जिन्होंने इण्टरमीडिएट/स्नातक की परीक्षा अन्य राज्यों से उत्तीर्ण की है।), (ज) अधिभार/भारांक हेतु सम्बन्धित प्रमाण-पत्र।

   स्नातकोत्तर कक्षाओं (प्रथम सत्र) में प्रवेश हेतु इच्छुक प्रवेशार्थी द्वारा उपरोक्त के अतिरिक्त स्नातक की प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष की अंक तालिका की स्व: हस्ताक्षरित छाया प्रति प्रवेश फॉर्म के साथ संलग्न करना आवश्यक है।
3. प्रवेश की घोषित निर्धारित तिथियों तक शुल्क जमा न करने पर प्रवेशार्थी का प्रवेशाधिकार समाप्त हो जायेगा।
4. विषय परिवर्तन की अनुमति नहीं दी जायेगी। दिये गए विषयों में परिवर्तन करने पर प्रवेशाधिकार समाप्त हो जायेगा।
5. ऐसे छात्र/छात्रा जो परीक्षा में अनुचित साधन प्रयोग करने के कारण दण्डित हो चुके हों, दण्डकाल की समाप्ति के उपरान्त भी समिति इनका प्रवेश अस्वीकार कर सकती है।
6. बिना कारण बताये प्राचार्य, चीफ प्रॉक्टर/प्रवेश समिति किसी भी छात्र/छात्रा के प्रवेश को अस्वीकृत कर सकते हैं, चाहे वह प्रवेश योग्य भी क्यों न हो।
7. जिन विद्यार्थियों ने किसी भी स्नातक या परास्नातक पाठ्यक्रम में प्रथम वर्ष की परीक्षा व्यक्तिगत परीक्षार्थी के रूप में उत्तीर्ण की है, उनका महाविद्यालय में द्वितीय वर्ष में प्रवेश संस्थागत छात्र के रूप में नहीं हो सकेगा। वे केवल प्राइवेट परीक्षार्थी के रूप में ही विश्वविद्यालय का परीक्षा फार्म भरेंगे।
8. जिस विद्यार्थी ने एक शैक्षिक सत्र में उपस्थिति पूर्ण कर ली हो और वह परीक्षा में नहीं बैठता है या विश्वविद्यालय परीक्षा में अनुतीर्ण हो जाता है तो उसे पुन: उसी कक्षा या पाठ्यक्रम में नियमित प्रवेश नहीं दिया जायेगा। वह भूतपूर्व छात्र के रूप में आवदेन करने हेतु अर्ह होगा।
9. (अ) विश्वविद्यालय परीक्षा में अनुचित साधनों का प्रयोग या प्रयास करने वाले तथा अभद्र व्यवहार करने वाले' विद्यार्थियों को या उनकी शिकायत प्राप्त होने पर उन्हें महाविद्यालय परिसर अथवा किसी भी पाठ्यक्रम में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।
   (ब) वह विद्यार्थी जो पुलिस अभिलेखों के अनुसार हिस्ट्रीशीटर है अथवा अपराध में दोषी सिद्ध पाया गया है अथवा किसी अपराधिक मुकदमें में शामिल है, को महाविद्यालय में प्रवेश नहीं दिया जायेगा और पहले से प्रवेश कर चुका है तो उसका प्रवेश किसी भी समय बिना किसी पूर्व सूचना के निरस्त कर दिया जायेगा।
   (स) महाविद्यालय के प्राचार्य और विश्वविद्यालय के कुलपति महाविद्यालय और विश्वविद्यालय में अनुशासन बनाये रखने की दृष्टि से किसी भी अभ्यर्थी के प्रवेश अथवा पुन: प्रवेश को बिना कोई कारण बताये निरस्त कर सकते हैं अथवा मना कर सकते हैं, भले ही मामला जैसा भी हो।
   (द) महाविद्यालय में नियमों के विरुद्ध विद्यार्थियों के किए गये प्रवेश मान्य नहीं होंगे। विश्वविद्यालय द्वारा प्रवेश हेतु स्वीकृत छात्र संख्या से अधिक प्रवेश को कुलपति द्वारा निरस्त करने का अधिकार होगा।

(ब) जो विद्यार्थी प्रोक्टोरियल स्टाफ सहित विश्वविद्यालय/महाविद्यालय के शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी के साथ किसी भी प्रकार की हिंसा, गुण्डागर्दी, रैगिंग अथवा विश्वविद्यालय/महाविद्यालय के अधिकारी वर्ग के प्रति निन्दनीय वातावरण का सृजन करेगा उसका प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा तथा भविष्य में प्रवेश नहीं दिया जायेगा।

10. ऐसे अभ्यर्थी जो न्यायालय द्वारा दण्डित किये गये हैं अथवा जिनके विरुद्ध गम्भीर अभियोग किसी न्यायालय में विचाराधीन हो, प्रवेश के लिए पात्र नहीं हैं।
11. किसी भी छात्र/छात्रा को कैजुअल छात्र के रूप में प्रवेश नहीं दिया जायेगा परन्तु भूतपूर्व छात्रों को जिनके पास प्रायोगिक विषय हैं, महाविद्यालय द्वारा 3 माह का शिक्षण शुल्क व प्रेक्टिकल शुल्क प्राप्त करने के बाद प्रयोगशाला में दिसम्बर में कार्य करने की अनुमति दी जा सकती है।
12. 45% या उससे अधिक प्राप्तांक होने पर विद्यार्थी स्नातकोत्तर स्तर के किसी भी विषय में प्रवेश लेने के लिए अर्ह हैं। इस सम्बन्ध में सूच्य है कि प्रवेश मैरिट के आधार पर होंगे।
13. महाविद्यालय में सभी प्रवेश मैरिट के आधार पर होते हैं। निश्चित तिथि के पश्चात् यदि निर्धारित सीटें नहीं भरी जाती हैं, तब रिक्त सीटों पर प्रवेश पंजीकृत छात्र/छात्राओं में से पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे।
14. स्नातकोत्तर कक्षाओं में प्रवेश उसी विषय में लिया जा सकेगा जिन विषयों में विद्यार्थी ने स्नातक की उपाधि प्राप्त की हो। 10% सीटें नॉन स्ट्रीम छात्रों के लिए आरक्षित होंगी। एम.ए. नॉन-स्ट्रीम के अन्तर्गत प्रवेश हेतु विज्ञान, वाणिज्य, विधि के स्नातक ही छात्र मान्य होंगे अर्थात बी.ए. उत्तीर्ण छात्र नॉन-स्ट्रीम के अन्तर्गत नहीं आयेगा। यदि किसी छात्र ने बी.ए. तृतीय वर्ष में कोई विषय नहीं पढ़ा है तो वह उस विषय के लिए नॉन-स्ट्रीम नहीं होगा।
15. निम्नलिखित श्रेणी के छात्र/छात्राओं को, यदि वे प्रवेश हेतु न्यूनतम शैक्षिक योग्यताएं रखते हों, अधो-लिखित प्रतिशत के आधार पर प्रवेश में आरक्षण होगा।

    1. अनुसूचित जाति 21% 2. अनुसूचित जनजाति 2% 3. पिछड़ी जाति 27% 4. दिव्यांग/स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के आश्रित एवं पूर्व सैनिकों के आश्रितों के लिए प्रवेश में क्रमशः 03, 02 तथा 01 का क्षैतिज आरक्षण प्रदान किया जायेगा।
16. प्रवेश हेतु तैयार की गई मेरिट सूची में निम्न विशिष्ट योग्ताओं के अतिरिक्त भारांक प्रदान किये जायेंगे-

(अ)	राष्ट्रीय अथवा अन्य विश्वविद्यालय खेलकूद में भागीदारी और खेलकूद में विशिष्ट उपलब्धियों के लिये भारांक	
(ब)	विश्वविद्यालय टीम में प्रतिनिधित्व	10 अंक
(स)	विश्वविद्यालय/सम्बद्ध महाविद्यालय के (सेवारत, सेवानिवृत्त) कर्मचारियों के पुत्र/पुत्री/पति/पत्नी	05 अंक
(द)	एन.सी.सी. के ''सी'' सर्टिफिकेट	10 अंक
	और ''बी'' सर्टिफिकेट के लिये	05 अंक
(ड)	एन.एस.एस. के दो शिविर पूर्ण करने तथा 240 घंटे की सेवायें।	10 अंक
	एन.एस.एस. का एक शिविर तथा 240 घंटे की सेवायें, 240 घंटे अथवा 120 घंटे तथा एक शिविर	05 अंक
या	12वीं कक्षा स्तर पर स्काउट सोपान परीक्षा उत्तीर्ण करने पर	10 अंक
या	12वीं कक्षा स्तर पर सोपान तृतीय परीक्षा उत्तीर्ण करने पर	05 अंक
या	राज्य स्तर पर पुरस्कृत	10 अंक
	भारत के राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत	10 अंक
	रोबर्स रेंजर्स 10 दिन का शिविर	10 अंक

विशेष : विश्वविद्यालय द्वारा बनाए गये किसी भी नियम का पालन NEP-2020 के अनुसार प्रवेश प्रक्रिया में आवश्यक रूप से किया जायेगा।

नोट : किसी भी स्थिति में किसी भी छात्र को 10 अंक से अधिक भारांक नहीं दिये जायेंगे। शैक्षिक योग्यता के आधार पर प्रदत्त श्रेणी की मान्यता यथावत् रहेगी अर्थात भारांक के आधार पर प्रभावित नहीं होगी। प्रमाण-पत्र की छाया पंजीकरण के समय आवेदन पत्र के साथ लगाने पर ही भारांक देय होगा अन्यथा नहीं।

विशेष नोट

1. क. आरक्षित वर्ग के श्रेणी (4) के अभ्यर्थी को मुख्य चिकित्साधिकारी का प्रमाण-पत्र एवं अन्य सभी श्रेणियों के अभ्यर्थियों को जिलाधिकारी/तहसीलदार प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना होगा।
   ख. उपर्युक्त अभ्यर्थियों के उपलब्ध न होने पर आरक्षित सीट सामान्य अभ्यर्थियों द्वारा भर दी जायेगी।
2. यदि किसी कक्षा में आरक्षण वर्ग के अर्ह-अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं हैं तो उनकी पूर्ति सामान्य वर्ग के छात्रों से की जायेगी।
3. प्रवेश आवेदन-पत्र में यदि गलत तथ्य प्रस्तुत किये हैं तब सही तथ्य प्रकाश में आने पर प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा एवं अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।
4. कोई भी अभ्यर्थी प्रवेश आवेदन-पत्र के मात्र पंजीकरण से ही प्रवेश का अधिकारी नहीं होगा। प्रवेश के लिए आवश्यक है कि अभ्यर्थी सूचना के अनुसार निश्चित तिथि पर प्रवेश हेतु साक्षात्कार में उपस्थित हो एवं उसके आवेदन-पत्र पर प्राचार्य द्वारा ''प्रविष्ट'' शब्द अंकित कर दिया गया हो एवं निश्चित तिथि तक शुल्क जमा कर दिया गया हो।
5. साक्षात्कार के समय प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियाँ (Original Copies) प्रस्तुत करना आवश्यक है। मूल प्रतियों के अभाव में प्रवेश सम्भव नहीं होगा।
6. प्रवेश के सम्बन्ध में अन्तिम निर्णय का अधिकार प्राचार्य व प्रवेश समिति का होगा। बिना कोई कारण बताये किसी भी छात्र/छात्रा का प्रवेश निरस्त करने का प्राचार्य को पूर्ण अधिकार होगा। इस सम्बन्ध में कोई दावा स्वीकार न होगा।
7. एक बार प्रवेश हेतु जमा शुल्क किसी भी दशा में वापस नहीं होगा। विद्यार्थी इस हेतु सम्पर्क न करें।
8. महाविद्यालय प्रवेश समिति के निर्णयानुसार प्रवेश सम्बन्धी नियमों में परिवर्तन का अधिकार प्राचार्य को होगा।
9. बी.एस-सी. एवं एम.एस-सी. कक्षाओं सम्बन्धी समस्त कार्यों का संचालन महाविद्यालय के कैलसा रोड स्थित परिसर से किया जायेगा।
10. एम.एस-सी. कक्षाओं में प्रवेश विश्वविद्यालय से प्राप्त सूची द्वारा ही किये जायेंगे।

अति महत्त्वपूर्ण ध्यान देने योग्य बिन्दु

1. महाविद्यालय में प्रत्येक विषय में परिषदें हैं। प्रत्येक विषय में एक सत्र में कई सेमिनार आयोजित की जाती है। फरवरी माह में सभी विषयों की एक अखिल भारतीय सेमीनार भी आयोजित की जाती है। महाविद्यालय को 23 अखिल भारतीय सेमीनार आयोजित करने पर गर्व है।
2. समस्त संस्थागत छात्र-छात्राओं को सूचित किया जाता है कि वे अपना विश्वविद्यालय का परीक्षा-फार्म ऑन लाइन भरकर उसकी प्रति निश्चित समय से कार्यालय में जमा कर रसीद प्राप्त कर लें। ऐसा न करने पर वे परीक्षा में सम्मिलित न हो सकेंगे, जिसका सम्पूर्ण उत्तरदायित्व विद्यार्थी का ही होगा।
3. महाविद्यालय में जो भी शुल्क जमा करें, उसकी रसीद अवश्य प्राप्त करें। बिना रसीद कोई शुल्क न दें।
4. प्रत्येक छात्र-छात्रा की 75% उपस्थिति अनिवार्य है। इस नियम की अवहेलना करने पर विद्यार्थी को विश्वविद्यालय की परीक्षा में सम्मिलित होने से रोका जा सकता है।
5. सामान्यत: कॉलेज का समय प्रात: 9:00 बजे से सायं 4:00 बजे तक है। जिसमें समय-सारणी के अनुसार कक्षायें संचालित होती हैं।
6. विश्वविद्यालय द्वारा परीक्षा-सुधार की परीक्षायें आयोजित की जाती है और उसके बाद अगली कक्षा में प्रवेश का नियम विश्वविद्यालय द्वारा घोषित किया जाता है।
7. प्रथम बार प्रवेश लेने वाले विद्यार्थी मूल स्थानान्तरण प्रमाण-पत्र (T.C.) व चरित्र प्रमाण-पत्र प्रवेश आवेदन पत्र के साथ अवश्य लगायें।
8. उ.प्र. शासन ने रैगिंग को संज्ञेय अपराध की श्रेणी में रेखा है। रैगिंग में लिप्त विद्यार्थी दंडित किए जायेंगे।
9. महाविद्यालय एक तम्बाकू मुक्त महाविद्यालय है। महाविद्यालय परिसर में पान, गुटखा, खैनी, सिगरेट, बीड़ी, नशा आदि का सेवन वर्जित है। इसके उल्लंघन पर महाविद्यालय द्वारा सख्त कार्यवाही की जाएगी।
10. निर्धारित तिथि तक शुल्क न जमा करने की स्थिति में विद्यार्थी का प्रवेश हेतु दावा समाप्त हो जायेगा।
11. **महाविद्यालय शुल्क जमा करने की प्रक्रिया निम्नवत है-**
    1. भारतीय स्टेट बैंक की ऑनलाइन सुविधा SBI Collect के द्वारा जमा करें।
    2. भारतीय स्टेट बैंक द्वारा उपलब्ध QR Code को स्कैन कर जमा करें। QR Code में केवल Paytm द्वारा ही भुगतान संभव है।
    3. महाविद्यालय में स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा के काउन्टर पर जाकर जमा करें।
    बैंक/पेटीएम/ऑनलाईन द्वारा शुल्क जमा करने की स्थिति में विद्यार्थी प्रवेश का अधिकारी नहीं होगा। विद्यार्थी को निर्धारित तिथि तक शुल्क जमा कर रसीद या उसका प्रिन्ट आवेदन फार्म के साथ जमा करने के पश्चात् प्रवेश रसीद प्राप्त करनी होगी, तभी उसका प्रवेश सुनिश्चित माना जायेगा।
12. महाविद्यालय में विभिन्न छात्र/छात्रा निधियों से सम्बन्धित विभिन्न समितियों का गठन किया जाता है, जिनमें नियमानुसार शिक्षकों के साथ-साथ छात्र/छात्राओं का भी प्रतिनिधित्व होता है।
13. जो भी छात्र/छात्रा संस्थागत रूप से प्रवेश लेता है और वह कहीं पर सरकारी या गैर-सरकारी नौकरी कर रहा है तो वह अपने नियोक्ता से अनापत्ति प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेगा और साथ ही साथ पाठ्यक्रम की अवधि के दौरान छुट्टी लेगा, अन्यथा की स्थिति में प्रवेश निरस्त कर दिया जायेगा।
14. विश्वविद्यालय नामांकन पत्र को भरते समय पूर्ण सावधानी रखें। बी.ए., बी.एस-सी. एवं बी.कॉम. प्रथम के नामांकन पत्र भरवाने के लिए आवश्यकता पड़ने पर प्राध्यापकों का सहयोग लें। साथ में हाईस्कूल तथा इण्टरमीडिएट परीक्षा की अंक तालिका की छाया प्रति लगायें।

SBI Collect

के द्वारा बैंक में शुल्क जमा करने की प्रक्रिया निम्न प्रकार है-

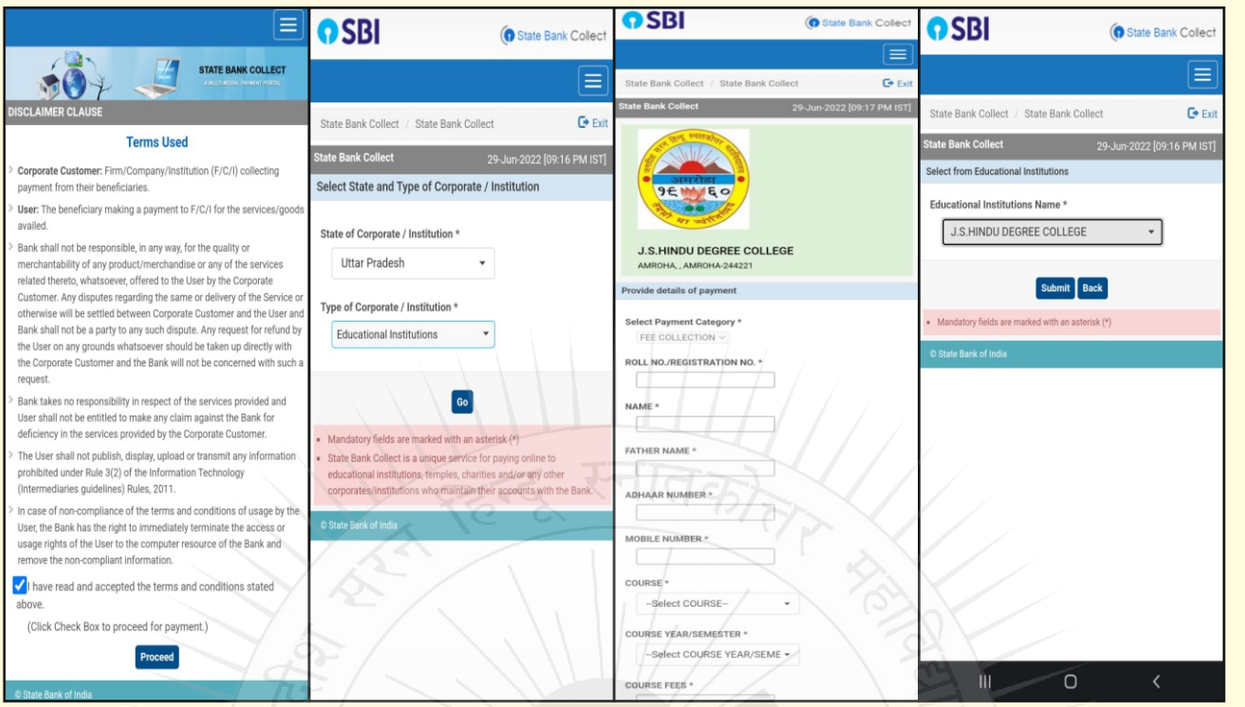

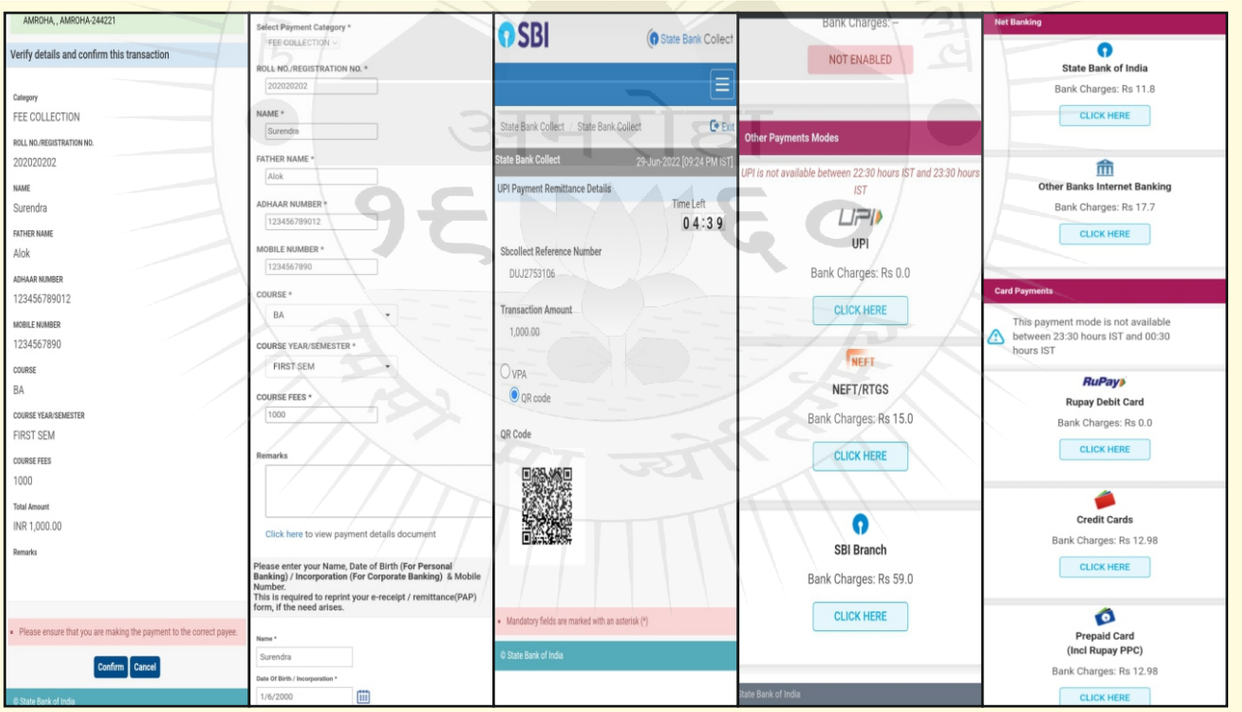

QR Code - Only for Paytm

सभी वर्गों के छात्र/छात्राओं के लिए विभिन्न कक्षाओं के देय शुल्क सारणी

बी.ए. प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर	छात्र	छात्रायें
बिना प्रेक्टिकल	807	675
एक प्रेक्टिकल (भू./मनो./शिक्षा शास्त्र)	1072	940
दो प्रेक्टिकल (मनो.वि./भू./शिक्षा शास्त्र)	1337	1205
एक प्रेक्टिकल (गृह.वि./सै.अध्य./संगीत)	1832	1700
एक प्रेक्टिकल (टी.टी.एम.)	2307	2175
दो प्रेक्टिकल (गृह.वि./सै.अध्य./संगीत)	2857	2725
दो प्रेक्टिकल (भू./मनो.वि./शि.शा.)+टी.टी.एम.	2572	2440
दो प्रेक्टिकल (भू./मनो.वि./शि.शा.)+(गृह.वि./सै.अध्य./संगीत)	2097	1965
दो प्रेक्टिकल (गृह.वि./सै.अध्य./संगीत)+टी.टी.एम.	3332	3200
बी.ए. तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर	**छात्र**	**छात्रायें**
बिना प्रेक्टिकल	792	660
एक प्रेक्टिकल (भू./मनो./शिक्षा शास्त्र)	1032	900
दो प्रेक्टिकल (मनो.वि./भू./शिक्षा शास्त्र)	1272	1140
एक प्रेक्टिकल (गृह.वि./सै.अध्य./संगीत)	1792	1660
एक प्रेक्टिकल (टी.टी.एम.)	2292	2160
दो प्रेक्टिकल (गृह.वि./सै.अध्य./संगीत)	2792	2660
दो प्रेक्टिकल (भू./मनो.वि./शि.शा.)+टी.टी.एम.	2532	2400
दो प्रेक्टिकल (भू./मनो.वि./शि.शा.)+ (गृह.वि./सै.अध्य./संगीत)	2032	1900
दो प्रेक्टिकल (गृह.वि./सै.अध्य./संगीत)+टी.टी.एम.	3292	3160
बी.ए. पंचम एवं षष्ठ सेमेस्टर	**छात्र**	**छात्रायें**
बिना प्रेक्टिकल	792	660
एक प्रेक्टिकल (भू./मनो./शिक्षा शास्त्र)	1032	900
दो प्रेक्टिकल (मनो.वि./भू./शिक्षा शास्त्र)	1272	1140
एक प्रेक्टिकल (गृह.वि./सै.अध्य./संगीत)	1792	1660
एक प्रेक्टिकल (टी.टी.एम.)	2292	2160
दो प्रेक्टिकल (गृह.वि./सै.अध्य./संगीत)	2792	2660
दो प्रेक्टिकल (भू./मनो.वि./शि.शा.)+टी.टी.एम.	2532	2400
दो प्रेक्टिकल (भू./मनो.वि./शि.शा.)+ (गृह.वि./सै.अध्य./संगीत)	2032	1900
दो प्रेक्टिकल (गृह.वि./सै.अध्य./संगीत)+टी.टी.एम.	3292	3160

विशेष नोट : (1) शासन या विश्वविद्यालय द्वारा उपरोक्त शुल्क दरों में कोई संशोधन होने पर परिवर्तित दर से शुल्क लिया जायेगा। उसकी सूचना सूचना-पट पर दी जायेगी।
(2) समस्त फीस विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन जमा की जायेगी।
(3) शासनादेश संख्या- G-4/ सत्तर-6-2021-24/2021 के द्वारा प्रत्येक छात्र को रोबर्स रेंजर्स का शुल्क रु. 50/- देय होगा।

सभी वर्गों के छात्र/छात्राओं के लिए विभिन्न कक्षाओं के देय शुल्क सारणी

	छात्र	छात्रायें
बी.कॉम प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर	807	675
बी.कॉम तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर	792	660
बी.कॉम पंचम एवं षष्ठ सेमेस्टर	792	660
एम.ए. (प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर) **(समाजशास्त्र/इतिहास/गृहविज्ञान/मनोविज्ञान विषयों को छोड़कर)**	**छात्र**	**छात्रायें**
बिना प्रेक्टिकल	840	660
प्रेक्टिकल (भूगोल)	1130	950
एम.ए. (तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर) **(समाजशास्त्र/इतिहास/गृहविज्ञान/मनोविज्ञान विषयों को छोड़कर)**	**छात्र**	**छात्रायें**
बिना प्रेक्टिकल	840	660
प्रेक्टिकल (भूगोल)	1080	900

विशेष नोट : (1) शासन या विश्वविद्यालय द्वारा उपरोक्त शुल्क दरों में कोई संशोधन होने पर परिवर्तित दर से शुल्क लिया जायेगा। उसकी सूचना सूचना-पट पर दी जायेगी।
(2) समस्त फीस विद्यार्थियों द्वारा ऑनलाइन जमा की जायेगी।
(3) शासनादेश संख्या- G-4/ सत्तर-6-2021-24/2021 के द्वारा प्रत्येक छात्र को रोबर्स रेंजर्स का शुल्क रु. 50/- देय होगा।

शुल्क विवरण Fees Statement

2023-24

अनुदानित सेमेस्टर शुल्क का मदवार विवरण

S.No.	Fees Head	B.A. I, III, V	B.Com. I, III, V	M.A. (P) I	M.A. (F) III	Remarks
1.	शिक्षण शुल्क	132.00	132.00	180.00	180.00	
2.	महंगाई शुल्क	42.00	42.00	42.00	42.00	
3.	प्रवेश शुल्क	3.00	3.00	3.00	3.00	
4.	पंजीकरण शुल्क	1.00	1.00	1.00	1.00	
5.	पुस्तकालय शुल्क	50.00	50.00	50.00	50.00	
6.	क्रीड़ा शुल्क (महाविद्यालय एवं वि.वि.)	100.00	100.00	100.00	100.00	
7.	वाचनालय शुल्क	12.00	12.00	12.00	12.00	
8.	पत्रिका शुल्क	100.00	100.00	100.00	100.00	
9.	विकास शुल्क	30.00	30.00	30.00	30.00	
10.	परिचय-पत्र शुल्क	40.00	40.00	40.00	40.00	
11.	चिकित्सा शुल्क	6.00	6.00	6.00	6.00	
12.	शीत व उष्ण शुल्क	125.00	125.00	125.00	125.00	
13.	छात्र कल्याण शुल्क	12.00	12.00	12.00	12.00	
14.	निर्धन छात्र सहायता शुल्क	12.00	12.00	12.00	12.00	
15.	दीक्षान्त समारोह शुल्क	12.00	12.00	12.00	12.00	
16.	वार्षिक उत्सव शुल्क	3.00	3.00	3.00	3.00	
17.	काशन मनी शुल्क	15.00	15.00	15.00	15.00	
18.	सांस्कृतिक कार्यक्रम शुल्क	12.00	12.00	12.00	12.00	
19.	प्रयो.विषय हेतु शुल्क	240.00		240.00	240.00	
20.	विषय परिषद शुल्क	50.00	50.00	50.00	50.00	
21.	प्रयोगात्मक विषय हेतु काशन मनी (प्रत्येक एक विषय प्रति)	25.00	25.00	50.00	50.00	
22.	रोवर्स रेंजर्स शुल्क	50.00	50.00	50.00	50.00	

यदि वि०वि० द्वारा शुल्क में कोई परिवर्तन किया जाता है तो परिवर्तित शुल्क देय होगा।

विशेष नोट : उपरोक्त शुल्क में क्रमांक 1 का शिक्षण शुल्क छात्राओं से नहीं लिया जायेगा।

विभिन्न कक्षाओं की देय शुल्क सारणी

स्ववित्तपोषित योजनान्तर्गत शासनादेश संख्या-1960/सत्तर-2-97-2(85)/97

दिनांक 11 नवम्बर 1997 के निर्देशानुसार देय शुल्क का विवरण

विविध शुल्क तालिका = स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रम

(सभी वर्गों के छात्र-छात्राओं के लिए)

कक्षा	महाविद्यालय शुल्क
बी.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर	6000.00
बी.एस.सी. तृतीय सेमेस्टर	6000.00
बी.एस.सी. पंचम सेमेस्टर	6000.00
एम.ए. (पूर्वार्द्ध) समाजशास्त्र/इतिहास	7000.00
एम.ए. (उत्तरार्द्ध) समाजशास्त्र/इतिहास	7000.00
एम.ए. (पूर्वार्द्ध) मनोविज्ञान	7000.00
एम.ए. (उत्तरार्द्ध) मनोविज्ञान	7000.00
एम.ए. गृहविज्ञान (पूर्वार्द्ध)	10000.00
एम.ए. गृहविज्ञान (उत्तरार्द्ध)	10000.00
एम.कॉम. (पूर्वार्द्ध)	7000.00
एम.कॉम. (उत्तरार्द्ध)	7000.00
एम.एस-सी. (पूर्वार्द्ध) Zoo, Bot.,Che, Phy.	12000.00
एम.एस-सी. (उत्तरार्द्ध) Zoo, Bot.,Che, Phy.	12000.00
एम.एस-सी. (पूर्वार्द्ध) गणित	8000.00
एम.एस-सी. (उत्तरार्द्ध) गणित	8000.00
एम.एस.डब्ल्यू. (प्रथम एवं द्वितीय वर्ष)	7000.00 (प्रति सेमेस्टर)
बी.एस-सी. बायोटेक (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष)	13000.00 (प्रति वर्ष)
बी.सी.ए. एवं बी.बी.ए. (प्रथम वर्ष)	7000.00 (प्रति सेमेस्टर)
बी.सी.ए. एवं बी.बी.ए. (द्वितीय वर्ष)	7000.00 (प्रति सेमेस्टर)
बी.सी.ए. एवं बी.बी.ए. (तृतीय वर्ष)	7000.00 (प्रति सेमेस्टर)
बी.एस.-सी. गृहविज्ञान (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष)	7000.00 (प्रति वर्ष)
बी.कॉम आनर्स (प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष)	10000.00 (प्रति वर्ष)
एम.ए. शिक्षा शास्त्र एवं उर्दू	10000.00 (प्रति वर्ष)
शोधार्थी से पुस्तकालय शुल्क (दो वर्ष हेतु)	2000.00
एम.ए./एम.कॉम. (उत्तरार्द्ध) में लघु शोध प्रबन्ध शुल्क	400.00

प्रवेश हेतु विशेष सुविधा एम.ए. पूर्वार्द्ध-इतिहास, समाजशास्त्र, मनोविज्ञान, गृह विज्ञान, शिक्षा शास्त्र एवं उर्दू तथा एम.कॉम पूर्वार्द्ध में प्रवेश प्रथम आओ तथा प्रथम पाओ के आधार पर किये जायेंगे।

विशेष नोट : (1) शासन या विश्वविद्यालय द्वारा शुल्क दरों में कोई संशोधन होने पर परिवर्तित दर से शुल्क लिया जायेगा। उसकी सूचना, सूचना-पट पर दी जायेगी।

(2) समस्त फीस बैंक online SBI Collect या QR Code या चालान द्वारा स्वीकार की जायेगी। चालान केवल महाविद्यालय द्वारा निर्धारित बैंक शाखा भारतीय स्टेट बैंक, जे.एस.हिन्दू डिग्री कॉलिज शाखा में ही जमा होगा।

अति महत्वपूर्ण

निम्नलिखित डिप्लोमा पाठ्यक्रम सत्र 2002-2003 से महाविद्यालय में सफलतापूर्वक संचालित किये जा रहे हैं। इनमें लगभग 120 विद्यार्थी अध्ययनरत् हैं। इन सभी पाठ्यक्रमों की कक्षायें विधिवत् रूप से चल रही हैं। विस्तृत जानकारी के लिए सम्बन्धित समन्वयकों से सम्पर्क करें।

CLASSES FOR THE FOLLOWING DIPLOMA COURSES

S.No.	Name of the Diploma	Fees (P.A.)
1.	**P.G.Diploma in Mass Communication, Journalism & Media Techniques (One year)** Co-ordinator : **Dr. Pradeep Kumar** **Mob. : 9456487077** Asstt. Co-ordinator : **Shri Mayank Arora** **Mob. : 9760821906** Basic Qualifications : 45% marks in Graduation	**Rs.10,000.00**
2.	**P.G.Diploma in Tourism & Travel Management (One year)** Co-ordinator : **Dr. Devendra Kumar** Asstt. Co-ordinator : **Mob. : 7081978953** **Dr. Rajeev Prakash** **Mob. : 9410458327** Basic Qualifications : 45% marks in Graduation	**Rs.10,000.00**
3.	**P.G.Diploma in Computer Programming (One year) (Intermediate Maths. Subject Compulsory)** Co-ordinator : **Shri Amit Bhatnagar** **Mob. : 7417045972** Basic Qualifications : 45% marks in Graduation	**Rs.10,000.00**

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय

केन्द्र कोड- S-646

श्री अरविन्द कुमार (भूगोल विभाग) - समन्वयक

श्री राहुल मोहन माहेश्वरी - कार्यालय सहायक

उत्तर प्रदेश राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविद्यालय से विद्यार्थी विभिन्न विषयों में पत्राचार के माध्यम से अपनी शिक्षा पूर्ण कर सकते हैं। ज्ञात हो महाविद्यालय में यह अध्ययन केन्द्र 01 जुलाई 2022 से संचालित है। छात्र/छात्राएं इस संबंध में समन्वयक और सहायक से सम्पर्क कर सकते हैं।

अति महत्वपूर्ण

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 के प्रभावी क्रियावयन हेतु अग्रांकित प्रकोष्ठ गठित किये गये हैं–

1.	उद्योग अकादमिक एकीकरण एवं कौशल विकास प्रकोष्ठ	:	डॉ. मनन कौशल
2.	ऑनलाईन शिक्षा एवं CMS प्रकोष्ठ	:	डॉ. विजय यादव
3.	शिक्षण प्रशिक्षण प्रकोष्ठ	:	डॉ. हरेन्द्र कुमार
4.	अनुसंधान एवं विकास प्रकोष्ठ	:	डॉ. नवनीत कुमार विश्नोई
5.	संस्थागत विकास योजना प्रकोष्ठ	:	डॉ. अनिल रायपुरिया
6.	एक्टिविटि क्लब	:	डॉ. अरविन्द कुमार (संस्कृत)
7.	भारतीय भाषा संस्कृति एवं कला प्रकोष्ठ	:	डॉ. बीना रुस्तगी
8.	अन्तर्राष्ट्रीय छात्र सहायता प्रकोष्ठ	:	डॉ. बबलू सिंह
9.	दिव्यांग सहायता एवं वंचित समूह सहायता योजना प्रचार–प्रसार प्रकोष्ठ	:	डॉ. ऋतुराज यादव
10.	मेन्टरिंग एवं मनोवैज्ञानिक परामर्श प्रकोष्ठ	:	श्री निखिल दास

महाविद्यालय की प्रवेश समितियाँ

बी.ए. (I सेमेस्टर) हिन्दी विभाग	सीमित संख्या 1820 विद्यार्थी
डॉ. मनमोहन सिंह	मुख्य संयोजक
डॉ. गौरव सिंह	सह संयोजक
डॉ. अरविंद कुमार शास्त्री	सह संयोजक
डॉ. राजनलाल	सदस्य
डॉ. देवेन्द्र कुमार	सदस्य
श्री रणदेव सिंह	सदस्य
डॉ. सत्य प्रकाश परमार	सदस्य
श्री मो० जावेद	सदस्य
श्री राजीव कुमार	सदस्य
श्री शिवमगन सिंह	सदस्य
सुश्री सबीना लकी	सदस्य
डॉ. विकास मोहन श्रीवास्तव	सदस्य
श्रीमती मंजुला शर्मा	सदस्य
श्रीमती ज्योति	सदस्य
श्री नरेन्द्र शर्मा	सदस्य
बी.ए. (III सेमेस्टर) भूगोल विभाग (कक्ष संख्या- 108 में)	
डॉ. संगीता धामा	मुख्य संयोजक
डॉ. देवेन्द्र कुमार	सह संयोजक
डॉ. मुकेश सिंह	सह संयोजक
श्री विजय यादव	सदस्य
श्री उमेश कुमार	सदस्य
श्री मनोज सिंह	सदस्य
श्री अरविन्द कुमार	सदस्य
बी.ए. (V सेमेस्टर) समाजशास्त्र विभाग (कक्ष संख्या- 37 में)	
डॉ. हरेन्द्र कुमार	मुख्य संयोजक
डॉ. अनुराग कुमार पाण्डेय	सह संयोजक
श्री जितेन्द्र कुमार	सह संयोजक
श्री ज्ञानेश कुमार वर्मा	सदस्य
श्री सत्य प्रकाश परमार	सदस्य
श्री मोहित कुमार	सदस्य
डॉ. पूनम वर्मा	सदस्य
डॉ. सीमा सिंह	सदस्य
डॉ. शिवानी गोयल	सदस्य
बी.कॉम. (समस्त)	सीमित संख्या 160 विद्यार्थी
डॉ. अनिल रायपुरिया	संयोजक (विभागीय कक्ष में)
डॉ. बीना शर्मा	सदस्य
डॉ. तीर्थराज सिंह	सदस्य
डॉ. शाज़िया बेगम	सदस्या
बी.कॉम. (ऑनर्स)	
डॉ. मनीष टंडन	संयोजक
डॉ. अमित माहेश्वरी	सदस्य
डॉ. कपिल भारद्वाज	सदस्य
बी.बी.ए.	
श्री मयंक अरोड़ा	संयोजक
श्री सलमान अख्तर	सदस्य
श्रीमति निधि अग्रवाल	सदस्या
बी.सी.ए.	
श्री अमित भटनागर	संयोजक
श्री गौतम अरोड़ा	सदस्य
बी.एस-सी. (गृहविज्ञान)	
डॉ. पूजा त्यागी	
डॉ. ज्योति	
बी.एस-सी. (प्रथम, तृतीय, पंचम सेमेस्टर)	सीमित संख्या 720 विद्यार्थी
डॉ. सौरभ अग्रवाल	संयोजक
डॉ. पवन गेरा	सदस्य
डॉ. अमित कुमार शुक्ला	सदस्य
डॉ. कावेरी सक्सेना	सदस्या
श्री सूरज सिंह सैनी	सदस्य
डॉ. गार्गी विश्नोई	सदस्या
डॉ. हर्षदीप यादव	सदस्य
डॉ. सुमन गुप्ता	सदस्या
बी.एस-सी. (बायोटेक्नॉलाजी)	
डॉ. सौरभ अग्रवाल	संयोजक

स्नातकोत्तर कक्षायें

2. अंग्रेजी	श्री हिमांशु शर्मा	(विभागीय कक्ष में)
	डॉ. मो० तारिक	
	डॉ. राजनलाल	
3. हिन्दी	डॉ. बीना रुस्तगी	(विभागीय कक्ष में)
	डॉ. बबलू सिंह	
	डॉ. सविता	
4. भूगोल	डॉ. संगीता धामा	(विभागीय कक्ष में)
	डॉ. देवेन्द्र कुमार	
	श्री मुकेश सिंह	
5. अर्थशास्त्र	डॉ. मनन कौशल	(विभागीय कक्ष में)
	श्री गौरव सिंह	
6. राजनीतिशास्त्र	डॉ. मनमोहन सिंह	(विभागीय कक्ष में)
	डॉ. प्रदीप कुमार	
	डॉ. रश्मि गुप्ता	
7. समाजशास्त्र	श्री ज्ञानेश कुमार वर्मा	(संयोजक)
	डॉ. पूनम वर्मा	
	डॉ. सीमा सिंह	
8. मनोविज्ञान	श्री सचिन कुमार	(विभागीय कक्ष में)
	श्रीमती मोनिका चौधरी	
9. इतिहास	डॉ. राजकिशोर शुक्ला	(विभागीय कक्ष में)
	डॉ. शिवानी गोयल	
	डॉ. पीयूष कुमार शर्मा	
:. गृहविज्ञान	डॉ. पूजा त्यागी	(विभागीय कक्ष में)
21. एम.ए. शिक्षा शास्त्र	डॉ. आभा सिंह, डॉ. प्रियंका शर्मा, श्री सत्य प्रकाश परमार	
22. एम.ए. उर्दू	डॉ. सईदुल हसन	
23. एम.कॉम.	श्री तीर्थराज सिंह	(प्रभारी)
	डॉ. बीना शर्मा	(सह प्रभारी)
	डॉ. शाज़िया बेगम	
24/एम.एस.डब्ल्यू.	डॉ. हरेन्द्र कुमार	संयोजक
	डॉ. नवनीत कुमार विश्नोई	संयोजक
! !	श्री जगदीप शर्मा	सदस्य
26. एम.एस-सी.		
(J) रसायन विज्ञान	डॉ. सौरभ अग्रवाल	(कैलसा रोड परिसर)
(jj) भौतिक विज्ञान	डॉ. अशोक कुमार	
	श्री सूरज सैनी	
(jjj) गणित	डॉ. धर्मेन्द्र कुमार शर्मा	
(jw) जन्तु विज्ञान	डॉ. गार्गी विश्नोई	
(w) वनस्पति विज्ञान	डॉ. हर्षदीप यादव	

विशेष नोट :

1. **एम.एस-सी. (पूर्वार्द्ध)** में प्रवेश विश्वविद्यालय द्वारा प्रेषित सूची के आधार पर होंगे और आरक्षित सीटों का प्रवेश भी योग्यता के आधार पर होगा।
2. **प्रबन्धकीय व्यवस्था के अन्तर्गत केवल उन्हीं छात्र/छात्राओं को प्रवेश दिया जा सकता है जिन्होंने विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित प्रवेश परीक्षा में भाग लिया है।**
3. **विज्ञान संकाय सम्बन्धी समस्त कार्य कैलसा रोड स्थित महाविद्यालय परिसर में संचालित किये जायेंगे।**

प्रवेश संबंधी किसी भी कठिनाई के निवारण हेतु प्राचार्य डॉ. वीर वीरेन्द्र सिंह, डॉ. अनिल रायपुरिया वाणिज्य विभाग अथवा डॉ. बीना रुस्तगी हिन्दी विभाग से सम्पर्क करें।

अति महत्वपूर्ण ध्यान देने योग्य बिन्दु

- शुल्क जमा करने का समय : महाविद्यालय परिसर में स्थित बैंक के समयानुसार
- प्रवेश हेतु महाविद्यालय का समय प्रातः 10:00 से 2:00 तक
- बी.ए. (प्रथम), बी.कॉम. (प्रथम),बी.एस. सी (प्रथम) एवं सभी अन्य स्नातक प्रथम वर्ष हेतु पंजीकरण विश्वविद्यालय द्वारा जारी तिथि के अन्तर्गत ऑनलाइन किये जाते हैं तदुपरान्त मेरिट के आधार पर ही विश्वविद्यालय द्वारा जारी तिथि के अन्तर्गत ही प्रवेश संभव होगा।
- प्रवेश के समय छात्र/छात्राओं की ईमेल आईडी अनिवार्य है बिना ईमेल आईडी के प्रवेश संभव नहीं है।
- स्नातकोत्तर समस्त कक्षाओं में प्रवेश की अन्तिम तिथि विश्वविद्यालय द्वारा घोषित की जायेगी।

  महाविद्यालय में प्रवेश लेना किसी विद्यार्थी का अधिकार नहीं है। बिना कोई कारण बताये प्रवेश के लिए मना किया जा सकता है। प्रवेश के नियमों में परिवर्तन किया जा सकता है। इस सम्बन्ध में प्राचार्य के अधिकार सुरक्षित हैं।
- **शुल्क बैंक चालान द्वारा महाविद्यालय परिसर की बैंक शाखा ''भारतीय स्टेट बैंक'' में ही जमा किया जायेगा।**
- महाविद्यालय में जमा किया शुल्क किसी भी दशा में वापस नहीं होगा।
- किसी भी कक्षा में प्रवेश हेतु पंजीकरण करा लेने मात्र से ही कोई भी विद्यार्थी प्रवेश का अधिकारी नहीं हो जाता है। प्रवेश हेतु फीस बैंक में जमा करके उसकी एक प्रति सम्बन्धित कांऊटर पर जमा कर रसीद प्राप्त करने के बाद ही प्रवेश की प्रक्रिया पूरी मानी जायेगी।
- बी.ए./बी.कॉम./बी.एस.सी. की मेरिट लिस्ट घोषित होने के बाद निर्धारित तिथि को प्रवेश हेतु स्वयं उपस्थित न होने पर प्रवेश का दावा समाप्त हो जायेगा।
- **बी.ए. में T.T.M. विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा संचालित स्ववित्तपोषित विषय है। TTM हेतु छात्र/छात्राओं को प्रवेश हेतु पंजीकरण अलग से किया जायेगा। प्रवेश पहले आओ पहले पाओ के आधार पर किये जायेंगे। इस हेतु निर्धारित शुल्क 1500/- निर्धारित है।**

(कला तथा वाणिज्य संकाय)

1. **प्राचार्य**
   प्रो. (डॉ.) वीर वीरेंद्र सिंह
2. **भूगोल विभाग**
   डॉ. संगीता धामा
   असिस्टेंट प्रोफेसर एवं प्रभारी
   श्री प्रवीण कुमार प्रभात
   असिस्टेंट प्रोफेसर
   (अवैतनिक अवकाश पर)
   श्री देवेन्द्र कुमार
   असिस्टेंट प्रोफेसर
   श्री मुकेश सिंह
   असिस्टेंट प्रोफेसर
   डॉ. विजय यादव
   असिस्टेंट प्रोफेसर
   श्री उमेश कुमार
   असिस्टेंट प्रोफेसर
   श्री अरविन्द कुमार यादव
   असिस्टेंट प्रोफेसर
   श्री मनोज सिंह
   असिस्टेंट प्रोफेसर
3. **वाणिज्य संकाय/विभाग**
   प्रो. (डॉ.) अनिल रायपुरिया
   प्रभारी
   श्री तीर्थ राज सिंह
   असिस्टेंट प्रोफेसर
4. **हिंदी विभाग**
   प्रो. (डॉ.) बीना रुस्तगी
   प्रभारी
   डॉ. बबलू सिंह
   असिस्टेंट प्रोफेसर
   डॉ. सविता
   असिस्टेंट प्रोफेसर
   डॉ. विशेष कुमार राय
   असिस्टेंट प्रोफेसर
   श्री रणदेव सिंह
   असिस्टेंट प्रोफेसर
   डॉ. ऋतुराज यादव
   असिस्टेंट प्रोफेसर
   श्री मोहम्मद जावेद
   असिस्टेंट प्रोफेसर
   श्री राजीव कुमार
   असिस्टेंट प्रोफेसर
5. **मनोविज्ञान विभाग**
   श्री निखिल कुमार दास
   एसोसिएट प्रोफेसर एवं प्रभारी
   श्री सचिन कुमार
   असिस्टेंट प्रोफेसर
6. **अर्थशास्त्र विभाग**
   प्रो. (डॉ.) मनन कौशल
   प्रभारी
   डॉ. गौरव सिंह
   असिस्टेंट प्रोफेसर
7. **समाजशास्त्र विभाग**
   डॉ. हरेंद्र कुमार
   असिस्टेंट प्रोफेसर एवं प्रभारी
   डॉ. नवनीत कुमार विश्नोई
   असिस्टेंट प्रोफेसर
   डॉ. अनुराग पांडेय
   असिस्टेंट प्रोफेसर
   डॉ. जितेन्द्र कुमार
   असिस्टेंट प्रोफेसर
   श्री ज्ञानेश कुमार वर्मा
   असिस्टेंट प्रोफेसर
8. **शिक्षा शास्त्र विभाग**
   डॉ. (श्रीमती) आभा सिंह
   असिस्टेंट प्रोफेसर एवं प्रभारी
   श्री सत्यप्रकाश परमार
   असिस्टेंट प्रोफेसर
   श्री मोहित कुमार
   असिस्टेंट प्रोफेसर
   श्री शिवमगन सिंह
   असिस्टेंट प्रोफेसर
9. **राजनीतिशास्त्र विभाग**
   प्रो. (डॉ.) अशोक कुमार रुस्तगी
   (अवैतनिक अवकाश पर)
   डॉ. मनमोहन सिंह
   असिस्टेंट प्रोफेसर एवं प्रभारी
   डॉ. प्रदीप कुमार
   असिस्टेंट प्रोफेसर
   डॉ. (श्रीमती) रश्मि गुप्ता
   असिस्टेंट प्रोफेसर
10. **अंग्रेजी विभाग**
    श्री हिमांशु शर्मा
    असिस्टेंट प्रोफेसर एवं प्रभारी
    डॉ. मोहम्मद तारिक
    असिस्टेंट प्रोफेसर
    डॉ. राजनलाल
    असिस्टेंट प्रोफेसर
    डॉ. नागेन्द्र प्रसाद मौर्य
    असिस्टेंट प्रोफेसर
    सुश्री गीतांजलि
    असिस्टेंट प्रोफेसर
    श्रीमती नीरज त्यागी
    असिस्टेंट प्रोफेसर
    श्री नीरज कुमार
    असिस्टेंट प्रोफेसर
    सुश्री सबीना लकी
    असिस्टेंट प्रोफेसर
11. **संस्कृत विभाग**
    डॉ. अरविंद कुमार
    असिस्टेंट प्रोफेसर एवं प्रभारी
12. **इतिहास विभाग**
    डॉ. राजकिशोर शुक्ला
    असिस्टेंट प्रोफेसर एवं प्रभारी
    श्री जितेन्द्र कुमार
    असिस्टेंट प्रोफेसर
13. **शारीरिक शिक्षा विभाग**
    श्री योगेंद्र कुमार
    असिस्टेंट प्रोफेसर एवं प्रभारी
14. **उर्दू विभाग**
    डॉ. मोहम्मद मूसा
    असिस्टेंट प्रोफेसर एवं प्रभारी

कार्यालय

1. **डॉ. गीतेश कुमार अग्रवाल**
   (कार्यालय अधीक्षक)
2. **सहायक लेखाकार**
   (रिक्त पद)
3. **श्री राहुल मोहन माहेश्वरी,** आशुलिपिक
4. **श्री नरेन्द्र कुमार गोयल,** कार्या. सहायक
5. **श्री विजय प्रकाश,** कार्या. सहायक
6. **श्रीमती सीमा सिंह,** कार्या. सहायक
7. **श्री सुरेन्द्र पाल सिंह,** कार्या. सहायक
8. **शरद गुप्ता,** कार्या. सहायक

पुस्तकालय विभाग

1. **डॉ.ज्ञानेन्द्र कुमार,** उप-पुस्तकलयाध्यक्ष
2. रिक्त (सूचीकारक)
3. **श्री संजय अग्रवाल,** पु. सहायक
4. **श्री दीपक वर्मा,** पु. सहायक
5. **श्रीमती पूनम गुप्ता,** पु. सहायक

प्रयोगशाला

1. **प्रयोगशाला सहायक,** भूगोल (रिक्त पद)
2. **श्रीमती रीता यादव,**
   प्रयोग. सहायक (मनोविज्ञान)

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

ब्रह्म सिंह, नत्थी सिंह, सौराज सिंह, राजेन्द्र सिंह, सुधीर कुमार, सुशील कुमार, नरेश कुमार, सतीश कुमार, अजीत कुमार, सुशील कुमार, पूनम रानी।

विशेष : उपरोक्त के अतिरिक्त स्ववित्तपोषित विषयों के लिए सुयोग्य शिक्षक व गैर-शिक्षक स्टाफ पर्याप्त संख्या में नियुक्त है।

विशेष : व्यायामशाला तथा खेलकूद के लिए श्री संदीप सिंह (खेल प्रशिक्षक) से सम्पर्क करें।

स्ववित्तपोषित कला एवं वाणिज्य संकाय में विश्वविद्यालय व प्रबन्धकीय आधार पर अनुमोदित शिक्षक

1. **सैन्य अध्ययन/रक्षा अध्ययन**
   डॉ. विकास मोहन श्रीवास्तव

2. **गृह विज्ञान विभाग**
   बी.एस-सी. (गृह विज्ञान)
   श्रीमती मंजुला शर्मा
   डॉ. ज्योति
   डॉ. पूजा त्यागी
3. **इतिहास विभाग**
   डॉ. शिवानी गोयल
   डॉ. पीयूष कुमार
4. **समाजशास्त्र विभाग**
   डॉ. पूनम वर्मा
   डॉ. सीमा सिंह
5. **मनोविज्ञान विभाग**
   श्रीमती मोनिका चौधरी
6. **वाणिज्य विभाग**
   डॉ. बीना शर्मा
   डॉ. शाज़िया बेगम
7. **टी.टी.एम. विभाग**
   डॉ. राजीव प्रकाश
8. **बी.बी.ए. विभाग**
   श्री मयंक अरोड़ा
   श्री सलमान अख्तर
   श्रीमती निधि अग्रवाल
9. **बी.सी.ए. विभाग**
   श्री अमित कुमार भटनागर
   श्री गौतम अरोड़ा
10. **एम.एस.डब्ल्यू.(समाज कार्य)**
    श्री जगदीप शर्मा
11. **बी.कॉम. (आनर्स)**
    डॉ. मनीष टंडन
    डॉ. अमित माहेश्वरी
    डॉ. कपिल भारद्वाज

23/ मॉस कम्यूनिकेशन विभाग
रिक्त पद

24/ उर्दू विभाग
डॉ. सईदुल हसन

25/ शिक्षाशास्त्र विभाग
श्रीमती प्रियंका शर्मा

स्ववित्त पोषित योजना अन्तर्गत तृतीय श्रेणी कर्मचारी कला संकाय एवं वाणिज्य संकाय

तृतीय श्रेणी कर्मचारी

1. श्री अपन टण्डन
2. श्री विवेकानन्द अग्रवाल
3. श्री राहुल अग्रवाल
4. श्री नईम अहमद
5. श्री पुनीत रस्तौगी
6. श्रीमती उमा गुप्ता
7. श्री नरेन्द्र कुमार शर्मा
8. श्रीमती अनुराधा
9. श्री वीरेन्द्र प्रकाश लाठे
10. श्रीमती चित्रा गोयल
11. श्री अमित रस्तौगी
12. श्री संदीप सिंह, खेल प्रशिक्षक

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

1. श्री रामगोपाल अग्रवाल

3/ श्री भोला सिंह
4/ श्री राजू
5/ श्री घनश्याम सिंह
6/ श्री प्रदीप कुमार
7/ श्री धमेन्द्र सिंह
8/ श्री सतीश
9/ श्री राकेश
:/ श्री अमित कुमार
21/ श्री नरेश कुमार
22/ श्री रावेन्द्र
23/ श्री हरीश कुमार
24/ श्री राकेश यादव
25/ श्री अनिल शर्मा
26/ श्री राजीव कुमार
27/ श्रीमती विमला
28/ श्रीमती सौमा
29/ श्री सचिन
2:/ श्री अरुण कुमार
31/ श्री शुभम
32/ श्री दिनेश

श्रीराम विज्ञान संकाय

(स्ववित्तपोषित)

मोबाइल नं.-9756559213

(कैलसा मार्ग स्थित परिसर)

रसासन विज्ञान विभाग

1. डॉ. सौरभ अग्रवाल (निदेशक एवं प्रभारी)
2. डॉ. (श्रीमती) मृदुल भालवर
3. डॉ. सत्यवीर सिंह
4. डॉ. (श्रीमती) कावेरी सक्सेना
5. डॉ. (श्रीमती) सुमन गुप्ता (अवैतनिक अवकाश पर)
6. डॉ. (श्रीमती) रचना गुप्ता

भौतिक विज्ञान विभाग

7. डॉ. अशोक कुमार, प्रभारी
9. श्री सूरज सिंह सैनी
:. श्री चिरंजीव कुमार वार्ष्णेय (प्रबंधकीय व्यवस्थानुसार)

गणित विभाग

21. डॉ. धर्मेन्द्र कुमार शर्मा, प्रभारी
22. डॉ. पवन कुमार गेरा
23. डॉ. अमित पाल सिंह

वनस्पति विज्ञान विभाग

24/ डॉ. हर्ष दीप यादव
25. रिक्त
26/ रिक्त

बी.एस.सी. बायोटैक

27. रिक्त

जन्तु विज्ञान विभाग

28. डॉ. (श्रीमती) गार्गी विश्नोई, प्रभारी
29. डॉ. कपिल कुमार
2:. श्री सचिन कुमार (प्रबंधकीय व्यवस्थानुसार)

सांख्यिकी विभाग

31. डॉ. अमित कुमार शुक्ला, प्रभारी

अनुशासक मण्डल (विज्ञान संकाय)

1. डॉ. पवन कुमार गेरा
2. डॉ. (श्रीमती) कावेरी सक्सेना
3. डॉ. अमित कुमार शुक्ला
4. डॉ. हर्षदीप यादव

विशेष : श्रीराम विज्ञान संकाय के समस्त छात्र/छात्राओं में सादगी, समरूपता और शालीन आचरण के उद्देश्य से निर्धारित गणवेश (Uniform) निम्न प्रकार है -

Uniform for Science Faculty :
For Boys - White Shirt, Navi Blue Trouser
For Girls - White Kurta, Navi Blue Salwar/ Pajama
For Winter - Black Sweater / Coat.

स्ववित्तपोषित योजना अन्तर्गत अस्थाई अंशकालिक तृतीय श्रेणी एवं चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी

क्र.	विषय	नाम	लैब सहायक	लैब ब्याय
1.	भौतिक विज्ञान		श्री हरिओम सैनी	श्री अजीत सिंह
2.	रसायन विज्ञान		श्री अम्वेश शर्मा	श्री सतवीर सिंह
3.	जन्तु विज्ञान		श्री शाहनवाज़ सिद्दीकी	श्री लीलपत सिंह
4.	वनस्पति विज्ञान		श्री नदीम अख्तर	श्री मेहर सिंह
5.	निदेशक कक्ष			श्री राकेश कुमार
6.	कार्यालय अधीक्षक		श्री प्रवेश कुमार वर्मा	
7.	पुस्तकालय		श्रीमती मीनू बंसल	श्री सोनू कुमार
8.	पुस्तकालय		श्री पंकज तिवारी	
9.	कार्यालय लिपिक		श्री अभय जैन	

(चतुर्थ श्रेणी)

1.	सफाई कर्मचारी	श्री विकास कुमार
2.	सफाई कर्मचारी	श्री रोहित कुमार
3.	माली	श्री ब्रजपाल सिंह
4.	माली	श्री अवधेश
5.	रात्रि गार्ड	श्री महीपाल सिंह
6.	रात्रि गार्ड	श्री प्रदीप यादव
7.	दिवस गार्ड	श्री चन्दू लाल

महाविद्यालय परिवार को निम्नलिखित विषयों पर (यू.जी.सी./आई.सी.एस.एस.आर./उ.शि. विभाग के सहयोग से) अखिल भारतीय सेमीनार आयोजन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ

1.	समन्वित ग्रामीण विकास कार्यक्रम : एक मूल्यांकन	1988
2.	Literary Artists and Ethics	1989
3.	Pt. J. L. Nehru as a Man of Letters	1989
4.	प्रजातन्त्र एवं कल्याणकारी राज्य का सिद्धान्त	1995
5.	भारतीय स्वतंत्रता की स्वर्ण-जयन्ती-भावी चुनौतियाँ	1998
6.	21वीं सदी में भारत : चुनौतियाँ एवं सम्भावनायें	1999
7.	नयी सहस्राब्दी में भारत का मानव संसाधन विकास	2000
8.	पर्यावरण एवं संविकास	2001
9.	Remote Sensing of Geographics Information in Natural Resource Survey and Management (work shop)	2001
10.	पर्यटन एवं विकास	2002
11.	जनसंख्या एवं विकास	2005
12.	21वीं सदी में भारत : दशा एवं दिशा	2005
13.	जनसंख्या, निर्धनता एवं पर्यावरण	2006
14.	पर्यावरण, कृषि एवं निर्धनता	2008
15.	History and Historiography on Woman theme in colonial and post-colonial India from 1805 to the present day	2010
16.	Globalization & Education	2011
17.	Human Rights in Indian Perspective	2012
18.	GLOBAL WARMING : Environmental Challenges and Their Impact on Socio-Economic Developmental Changes	2014
19.	भारत में प्रजातन्त्र चुनौतियां तथा अवसर	2015
20.	डॉ. भीमराव अम्बेडकर के सपनों का लोकतांत्रिक भारत	2016
21.	नवीन विकसित राष्ट्र के रुप में बदलता भारत: मुददे और चुनौतियाँ	2018
22.	हिन्दी पत्रकारिता का स्वरुप : चुनौतियाँ व संभावनायें	2018
23.	2022 में नवीन भारत	2018
24.	21वी. सदी और साहित्यक विमर्श	2020
25.	चौधरी चरण सिंह के विचारों की वर्तमान में प्रासंगिकता (आर्थिक, सामाजिक और राजनैतिक सन्दर्भ में)	2021
26.	National Seminar on Tex, Context and Interpretation of the 21st Century Indian English Fiction.	2022
27.	आई.सी.पी.आर. द्वारा संपोषित राष्ट्रीय सेमीनार विषय "दयानंद दर्शन के विविध आयाम"	2022
28.	भारतीय शिक्षा व्यवस्था : एक डिजीटल बदलाव- अंतर्राष्ट्रीय सेमीनार आई.सी.एस.एस.आर. द्वारा संपोषित।	2022
29.	स्वाधीनता आन्दोलन और खड़ी बोली (केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा द्वारा संपोषित)।	2022
30.	योग के विविध रूपों का वैश्विक प्रसार- अन्तर्राष्ट्रीय वेबीनार।	2023
31.	ICSSR द्वारा संपोषित राष्ट्रीय संगोष्ठी "देशज ज्ञान व्यवस्था : निरन्तरता की ओर एक कदम।"	2023

महाविद्यालय के सभी प्राध्यापक विद्यार्थियों में प्रतिभा विकसित करने के लिए निरन्तर विभागीय सेमीनार आयोजित करते रहते हैं और पिछले 20 वर्षों में लगभग 800 विभागीय सेमीनार विभिन्न विषयों पर आयोजित हो चुकी है। आशा है कि भविष्य में बौद्धिक गतिविधियों में सभी छात्र-छात्रायें हिस्सा लेंगे।

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय अध्ययन केन्द्र (IGNOU)

1. विद्यार्थी विभिन्न विषयों में पत्राचार के माध्यम से अपनी शिक्षा पूर्ण कर सकते हैं। अध्ययन केन्द्र जुलाई 2015 से महाविद्यालय में संचालित है। छात्र-छात्राएँ प्रवेश या अन्य किसी असुविधा में प्रो. वीर वीरेंद्र सिंह प्राचार्य एवं प्रभारी (इग्नू) से संपर्क कर सकते हैं।
2. छात्र-छात्राएं प्रवेश, परीक्षा एवं अन्य किसी भी जानकारी के लिए प्रथमत: श्री राहुल मोहन माहेश्वरी से सम्पर्क करें।
3. इस वर्ष विद्यार्थियों को मांग पर महाविद्यालय में एम.ए. शिक्षा शास्त्र की मान्यता हो गयी है। जो विद्यार्थी इसमें प्रवेश लेना चाहते हैं। वह ऑनलाइन अपना आवेदन www.ignou.ac.in की साइट पर जाकर करा सकते हैं।
4. इस वर्ष महाविद्यालय में MBA व B.Sc. की मान्यता प्राप्त करने हेतु प्रयास जारी है।

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU) द्वारा महाविद्यालय में स्नातकोत्तर स्तर पर संचालित पाठ्यक्रमों की सूची

क्षेत्रीय कोड-39 नोएडा **केन्द्र कोड-47039**

S.No.	Course Name	Course Code	Duration
1.	Master of Commerce	M.Com	2 Year
2.	Master of Commerce	M.Com (F&T)	2 Year
3.	M.A. - English	MEG	2 Year
4.	M.A. - Hindi	MHD	2 Year
5.	M.A. - Tourism & Travel Management	MTTM	2 Year
6.	M.A. - Extension Development Study	MAEDS	2 Year
7.	M.A. - Women & Gender Study	MAWGS	2 Year
8.	M.A. - Rural Development	MARD	2 Year
9.	M.A. - History	MAH	2 Year
10.	M.A. - Sociology	MSO	2 Year
11.	M.A. - Psychology	MAPC	2 Year
12.	M.A. - Gender & Peace Study	MGPS	2 Year
13.	M.A. - Gender & Development Study	MAGD	2 Year
14.	M.A. - Education	MAEDU	2 Year

डॉ. वीर वीरेन्द्र सिंह
प्राचार्य

श्री राहुल मोहन माहेश्वरी
असिस्टेन्ट

नोट :- अधिक जानकारी के लिए श्री राहुल मोहन माहेश्वरी के मोबाईल नं.- 9286178338 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (IGNOU)

महाविद्यालय में एक वर्षीय डिप्लोमा एवं 6 माह के सर्टिफिकेट पाठ्यक्रमों की सूची

क्षेत्रीय कोड-39 नोएडा **केन्द्र कोड-47039**

S.No.	Course Name	Course Code	Duration
1.	P.G. Diploma in Translation	PGDT	1 Year
2.	P.G. Diploma in Women's & Gender Studies	PGDWGS	1 Year
3.	P.G. Diploma in Extension & Development Studies	PGDEDS	1 Year
4.	P.G. Diploma in International Business operations	PGDIBO	1 Year
5.	P.G. Diploma in Rural Development	PGDRD	1 Year
6.	P.G. Diploma in Food Safety & Quality Management	PGDFSQM	1 Year
7.	P.G. Diploma in Folklore & Culture Studies	PGDFCS	1 Year
8.	P.G. Diploma in Disaster Management	PGDDM	1 Year
9.	P.G. Certificate in Gandhi Peace Studies	PGCGPS	1 Year
10.	P.G. Diploma in Environment and Sustainable Development	PGDESD	1 Year
11.	P.G. Diploma in Nutrition & Health Education	DNHE	1 Year
12.	P.G. Diploma in Childhood care & Education	DECE	1 Year
12.	P.G. Diploma in Creative Writing in English	DCE	1 Year
13.	Certificate in Nutrition and Child Care	CNCC	6 Month
14.	Certificate Prog in NGO Management	CNM	6 Month
15.	Certificate in Consumer Protection	CCP	6 Month
16.	Certificate in Business Skills	CBS	6 Month
17.	Certificate in Functional English	CFE	6 Month
18.	Certificate in HIV & Family Education	CAFE	6 Month
19.	Diploma in HIV & Family Education	DAFE	1 Year
20.	Certificate in Rural Development	CRD	6 Month
21.	Certificate in Guidance	CIG	6 Month
22.	Certificate in Human Rights	CHR	6 Month
23.	Teaching of English in a Second Language	CTE	6 Month
24.	Certificate in Environment Studies	CES	6 Month
25.	Certificate in Disaster Management	CDM	6 Month
26.	Certificate in Communication & IT Skills	CCITSK	6 Month
27.	Certificate in Co-Operation Law & Business Law	CCLBL	6 Month

एनएसएस द्वारा सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा, जागरूकता कार्यक्रम

सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम में एनएसएस प्रभारी का सम्मान

एनसीसी की छात्रा ईकाई को जनपद 'DRILL COMPITION' में प्रथम स्थान

खेल समारोह का उद्घाटन सत्र

खेल समारोह में रेस लगाते एथलीट

अन्तर्महाविद्यालय कबड्डी प्रतियोगिता में खिलाड़ियों का परिचय

युवा सांस्कृतिक महोत्सव की झलकियाँ

युवा सांस्कृतिक समारोह की झलकियाँ

युवा सांस्कृतिक समारोह में सम्मानित जनसमूह

सुदर्शन सभागार

रसायन विज्ञान प्रयोगशाला

भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला